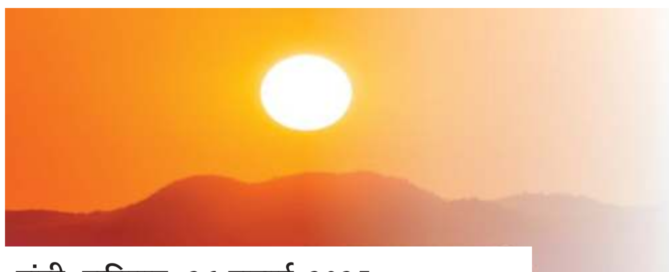

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 26 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण कृष्ण 16 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 322, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आइए मनाएं कारगिल विजय दिवस

फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज लेकर आ रही रश्मिका ◂◂ 6

गुमला में एनकाउंटर : सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में जेजेएमपी के तीन नक्सली ढेर

संवाददाता

गुमला : जिले की पुलिस ओर झारखंड जगुआर ने संयुक्त ऑपरेशन में प्रतिबंधित संगठन जेजेएमपी (झारखंड जनमुक्ति परिषद) के तीन नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। सुरक्षा बलों ने तीन हथियार भी बरामद किया है। एक एके 47 और दो इंसास बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार गुमला पुलिस को सूचना मिली थी कि घाघरा जंगल में जेजेएमपी के नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए है और इस सूचना के आधार पर गुमला पुलिस और झारखंड जगुआर का संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के आमने-सामने होने पर कई राउंड गोली चली और मुठभेड़ में जेजेएमपी के तीन नक्सलियों को मार गिराया गया मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों द्वारा जंगलों में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

गुमला एसपी हारिश बिन जमां ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी संगठन के उग्रवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं और घाघरा के जंगल में इकट्ठा हुए हैं। सूचना के आधार पर जिला पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। लावादाग जंगल में जैसे ही सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने तीन उग्रवादियों को ढेर कर दिया। हालांकि, इस दौरान अन्य उग्रवादी घने जंगलों का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। इससे पहले, 15 जुलाई को बोकारो जिले के गोमिया थाना अंतर्गत बिरहोरडेरा जंगल में भाकपा माओवादी उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पांच लाख के इनामी नक्सली कुंवर मांझी समेत दो नक्सलियों को मार गिराया था, जबकि इस कार्रवाई में कोबरा 209 बटालियन का एक जवान शहीद हो गया था। एक नक्सली वर्दी में, जबकि दूसरा साधारण कपड़ों में था। उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस ने इस वर्ष राज्य को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। झारखंड में 2025 की शुरूआत से अब तक पुलिस ने 22 नक्सलियों को मार गिराया है। इस दौरान 115 हथियार, 8591 गोलियां, 176.5 किलो विस्फोटक और 4,51,047 रुपये नक्सलियों से जब्त किए गए, जो उन्होंने लेवी के रूप में वसूले थे। साथ ही, 179 आईईडी को खोजकर निष्क्रिय किया गया। यह नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई है।

एके 47 सहित हथियार बरामद

केदारघाटी में बादल फटने से मची तबाही, कई घर और गाड़ियां मलबे में दबे

एजेंसी

रुद्रप्रयाग: उत्तराखंड में केदारघाटी के रुमसी गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। जानकारी के अनुसार रुमसी गांव के कई घर और वाहन मलबे में दब गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही रेसक्यू टीम मौके ले लिए रवाना हो गई है। सामने आई तस्वीरों में कई घर, दुकानें, गाड़ी और बाइक मलबे में दबे नजर आ रहे हैं। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण रुद्रप्रयाग में कई मार्ग अवरुद्ध भी हो गए हैं। दूसरी और गौरीकुण्ड के समीप केदारनाथ धाम जाने वाले पैदल मार्ग पर पहाड़ी दरकने से पैदल मार्ग बाधित हो गया है। मार्ग को खोले जाने का तेजी से किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने लोगों से मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देने और यात्रा से पहले सड़क मार्गों की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है। वहीं, स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की संख्या में कमी से उनका व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है।

आठवीं क्लास की छात्रा ने की आत्महत्या परिजनों ने लगाया शिक्षक पर प्रताड़ना का आरोप

लातेहार: जिले के सदर थाना क्षेत्र में आठवीं कक्षा की छात्रा ने शुक्रवार की रात आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा के परिजनों का आरोप है कि स्कूल के एक शिक्षक द्वारा छात्रा को कई तरह से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी कारण वह आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हुई। इस घटना के बाद गांव में तनाव है और ग्रामीण बड़ी संख्या में स्कूल पहुंच कर हंगामा करने लगे। वहीं इस संबंध में लातेहार थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो का कहना है कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शिक्षक पर प्रताड़ित करने का आरोपः परिजनों ने बताया कि छात्रा ने उन्हें बताया था कि स्कूल का एक शिक्षक उसके साथ गलत हरकत करता था। शिक्षक उसे लगातार कई तरह से प्रताड़ित भी करता था। शिक्षक की प्रताड़ना से छात्रा काफी परेशान थी। इस मामले को लेकर छात्रा के परिजन ने स्कूल आकर हंगामा भी किया था।

परिजनों का आरोप है कि इसके बावजूद शिक्षक ने छात्रा को परेशान करना बंद नहीं किया। शुक्रवार की रात परेशान छात्रा ने आत्महत्या कर ली। इधर, घटना के बाद शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, आरोपी शिक्षक शनिवार को स्कूल नहीं आया। गांव में आक्रोश का माहौलः घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद भुसूर पंचायत के मुखिया सुरेंद्र भगत सहित अन्य बुद्धिजीवी भी मामले की जानकारी लेने स्कूल पहुंचे। मुखिया ने मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाए और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस कर रही मामले की जांचः वहीं इस पूरे मामले के बारे में पूछे जाने पर थाना प्रभारी सुरेंद्र महतो ने बताया कि पुलिस को रात में ही घटना की जानकारी मिली थी। मृतक छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल लाया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

करगिल विजय दिवस : सीएम हेमंत और बाबूलाल ने वीर शहीदों को किया नमन

रांची : सीएम हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने करगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को नमन किया है। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करने वाले वीर जांबाजों और उनके परिवारजनों को नमन करता हूं। कारगिल विजय दिवस की सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। वहीं बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि देश के जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और बलिदान के प्रतीक कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों के प्रति देश सदैव कृतज्ञ रहेगा।

नहाने गये चार युवकों की नाले में डूबने से मौत

खरसावां: सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां प्रखंड के दलाईकेला गांव में एक नाले में डूबने से 4 युवकों की मौत हो गयी। मृतकों में सागर मंडल के 17 वर्षीय पुत्र सिद्धेश्वर मंडल, स्व अर्जुन दास के 20 वर्षीय पुत्र हरिबास दास, पंकज साहू के 20 वर्षीय पुत्र मनोज साहू और वीरेंद्र साहू के 16 वर्षीय पुत्र सुनील साहू शामिल हैं। सभी खरसावां थाना क्षेत्र के दलाईकेला गांव के रहने वाले थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि चारो युवक शनिवार को करीब 10 बजे दलाईकेला और

जोजोडीह गांव के बीच स्थित नाला पर बने कलवर्ट के पास नहाने गये थे। लगातार बारिश के कारण नाला में बढ़े जल स्तर को ये लोग भांप नहीं सके और सभी डूब गये। नाले से कुछ दूर चारों को अचेत अवस्था में पाया गया। वहां से उठाकर इन्हें आनन-फानन में खरसावां के एक निजी अस्पताल में लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही खरसावां बीडीओ प्रधान माझी, थाना प्रभारी गौरव कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में पहुंचे। पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला भेज दिया गया। घटना के बाद दलाईकेला गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्लोबल लीडर रैंकिंग : मॉर्निंग कंसल्ट रेटिंग में फिर 'सबसे विश्वसनीय नेता' बने पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : अमेरिकी बिजनेस इंटेलिजेंस फर्म मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75% अनुमोदन स्कोर के साथ 'डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग्स' की नवीनतम वैश्विक सूची में एक बार फिर शीर्ष पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद 59% अनुमोदन स्कोर के साथ दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग दूसरे स्थान पर हैं। यह वैश्विक सर्वेक्षण, जो प्रमुख विश्व नेताओं की अप्रूवल रेटिंग पर नजर रखता है, मोदी को अपने समकक्षों से काफी आगे रखता है, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हैं, जिनकी अप्रूवल रेटिंग 44% है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शीर्ष पांच में नहीं हैं और 45% से कम अनुमोदन के साथ आठवें स्थान पर हैं।

नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित की गई थी। मॉर्निंग कंसल्ट ने सर्वेक्षण किए गए देशों में वयस्कों की राय के सात-दिवसीय औसत का उपयोग किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 76% के साथ सर्वोच्च अप्रूवल रेटिंग हासिल की, जिससे अन्य वैश्विक समकक्षों पर उनकी महत्वपूर्ण बढ़त बनी रही। मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के ली जे-म्यांग (59%), अर्जेंटीना के जेवियर माइली (57%) और कनाडा के मार्क कार्नी (56%) का स्थान रहा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज (54%) को 54%, जबकि स्विट्जरलैंड की कैरिन केलर-सटर (53%) को 53% रेटिंग मिली। मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम (48%) ने इस सूची में अपना स्थान पूरा किया। मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे विश्वसनीय नेता बने हुए हैं।

भाजपा नेता ने पर लिखा, एक अरब से ज्यादा भारतीयों के प्रिय और दुनिया भर में लाखों लोगों के सम्मान वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मॉर्निंग कंसल्ट ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर में शीर्ष पर हैं - दुनिया भर में सबसे ज्यादा रेटिंग वाले और सबसे विश्वसनीय नेता। मजबूत नेतृत्व। वैश्विक सम्मान। भारत सुरक्षित हाथों में है।

75 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ, मोदी दक्षिण कोरिया के ली जे-म्यांग (59 प्रतिशत), अर्जेंटीना के जेवियर माइली (57 प्रतिशत) और कनाडा के मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) जैसे नेताओं से आगे वैश्विक चार्ट में सबसे आगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 44 प्रतिशत रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर हैं।

कारगिल युद्ध: पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ से भारत की जीत तक

एजेंसी

नई दिल्ली: 26 जुलाई को कारगिल युद्ध के 26 साल पूरे हो गए हैं। इसी दिन भारत को पाकिस्तान के खिलाफ एक बार फिर युद्ध में विजय मिली थी। जिस इलाके में ये युद्ध लड़ा गया। वहां सर्दियों में तापमान माइनस 30 से माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है। सर्दियों के मौसम में इन इलाकों को खाली कर दिया जाता था। इसी का फायदा उठाकर पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की गई। इस घुसपैठ में पाकिस्तान की सेना ने भी मदद की। 3 मई 1999 ये वो तारीख है जब हिन्दुस्तान को इस घुसपैठ का पता चला। दरअसल, कुछ स्थानीय चरवाहों ने भारतीय सेना के लोगों को इसके बारे में बताया। इसके बाद शुरू हुआ तनाव और संघर्ष 84 दिन चला। 84 दिन बाद 26 जुलाई 1999 को भारत को जीत मिली।

3 मई को घुसपैठियों के दिखने की सूचना मिलने के बाद 5 मई, 1999 को भारतीय सेना ने पेट्रोलिंग पार्टी को घुसपैठ वाले इलाके में भेजा। पेट्रोलिंग पार्टी जब घुसपैठ वाले इलाके में पहुंची तो घुसपैठियों ने पांचों जवानों को मार दिया। सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों के शव से बर्बरता भी की गई। घुसपैठिए लेह-श्रीनगर हाईवे पर कब्जा कर लेना चाहते थे। इसके जरिए वह लेह को बाकी हिन्दुस्तान से काट देना चाहते थे।

9 मई को कारगिल जिले में पाकिस्तानी सेना का तोप का गोला गिरा और भारत के गोला बारूद डीपो को उड़ा दिया। 10 मई, 1999 को द्रास, काकसर, बटालिक सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठियों को देखा गया। उस वक्त ये अंदाजा लगाया गया कि करीब 600 से 800 घुसपैठिये भारतीय चौकियों पर कब्जा कर चुके हैं।

15 मई, 1999 के बाद कश्मीर के अलग-अलग इलाकों से सेना को भेजने की शुरूआत हुई। 26 मई को भारतीय वायुसेना ने घुसपैठियों पर जमकर बमबारी की। 27 मई को दो भारतीय लड़ाकू विमानों को पाकिस्तानी सेना ने मार गिराया। फ्लाइट लेफ्टिनेंट के। नचिकेता को पाकिस्तान ने युद्धबंदी बना लिया। वहीं, स्क्वॉड्रन लीडर अजय अहूजा ने सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

31 मई, 1999 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान आया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में युद्ध जैसे हालात बन चुके हैं।

4 जुलाई को भारतीय सेना ने टाइगर हिल्स पर तिरंगा फहराया। करीब 11 घंटे तक लगातार चली लड़ाई के बाद भारतीय सेना ने इस अहम पोस्ट पर अपना कब्जा जमाया। 5 जुलाई को भारतीय सेना ने द्रास सेक्टर पर कब्जा जमाया। ये सेक्टर रणनीतिक रूप से बेहद अहम था। 7 जुलाई को बाटलिक सेक्टर में जुबर पहाड़ी पर भारतीय सेना ने फिर से कब्जा जमाया। 7 जुलाई को ही एक अन्य ऑपरेशन के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा ने सर्वोच्च बलिदान दिया। 11 जुलाई को भारतीय सेना ने बाटलिक सेक्टर की लगभग सभी पहाड़ियों की चोटियों को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। 12 जुलाई को युद्ध हारते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भारत के सामने बातचीत की पेशकश की। 14 जुलाई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को भारतीय क्षेत्र से पूरी तरह से खदेड़ दिया। भारत ने अपने सभी इलाकों को वापस हासिल कर लिया। 26 जुलाई को भारत ने कारगिल युद्ध को जीतने की घोषणा कर दी।

18 हजार फीट की ऊंचाई पर लड़ा गया युद्ध भारतीय सेनाओं के पराक्रम की गाथा कहता है।

2.5 करोड़ आईआरसीटीसी आईडी डीएक्टिवेट रेलवे ने लिया बड़ा फैसला, बदले गए नियम

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में हो रहे दुरुपयोग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.5 करोड़ से अधिक आईआरसीटीसी यूजर आईडी को डीएक्टिवेट कर दिया है। संसद में सांसद एडी। सिंह के सवाल पर सरकार ने यह जानकारी दी। सरकार ने बताया कि संदिग्ध बुकिंग पैटर्न और फेक यूजर्स की पहचान के बाद ये आईडी निष्क्रिय की गईं। तत?काल टिकट बुकिंग में आए दिन होने वाली समस्याओं के पीछे भी यही फर्जी आईडी और बॉट्स जिम्मेदार थे। अक्सर देखा गया कि तत्काल टिकट बुकिंग विंडो खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट गायब हो जाते थे, क्योंकि एजेंट्स बॉट्स का उपयोग करके बल्क बुकिंग कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को टिकट नहीं मिल पाता था। रेलवे के इस कदम से अब यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार ने यह भी बताया कि टिकट बुकिंग सिस्टम में गड़बड़ियों को रोकने के लिए अन्य बदलाव भी किए गए हैं। इमरजेंसी कोटा को लेकर नियम संशोधित किया गया है। पहले इस कोटा के तहत यात्रा वाले दिन ही आवेदन किया जा सकता था, लेकिन अब यात्रा से एक दिन पहले ही इमरजेंसी कोटा के लिए अप्लाई करना होगा। यह कोटा सांसदों, उच्च अधिकारियों, मेडिकल इमरजेंसी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए होता है।

रेलवे ने किए ये अहम बदलाव

1 रिजर्व टिकट अब पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन या पीआरएस (कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली) काउंटरों से बुक किए जा सकते हैं।

2 कुल टिकटों में से लगभग 89 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन माध्यम से बुक हो रहे हैं।

3 पीआरएस काउंटर्स पर डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

4 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट केवल आधार वेरिफाई यूजर्स ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से बुक कर पाएंगे।

5 एजेंट्स को तत्काल रिजर्वेशन खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक करने से रोका गया है।

6 वेटिंग लिस्ट की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है और मांग बढ़ने पर रेलवे स्पेशल ट्रेनें चला रहा है।

तिलैया में बनेगा राज्य का दूसरा सैनिक स्कूल, बुनियादी सुविधाएं होंगी मजबूत

संवाददाता

रांची : झारखंड में एक और सैनिक स्कूल की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने स्कूली शिक्षा सचिव को इसके लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सैनिक स्कूल तिलैया पहले से संचालित है, लेकिन छात्रों की संख्या को देखते हुए एक अतिरिक्त स्कूल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। फिलहाल तिलैया सैनिक स्कूल में देशभर के अन्य सैनिक स्कूलों की तुलना में सर्वाधिक 875 छात्र अध्ययनरत हैं। मुख्य सचिव शुक्रवार को सैनिक स्कूल तिलैया से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों और समस्याओं पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि स्कूल की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

9.49 करोड़ की लागत से बनेगी नई जलापूर्ति योजनाः बैठक में बताया गया कि सैनिक स्कूल तिलैया में 9.49 करोड़ रुपये की लागत से नई जलापूर्ति योजना तैयार की जाएगी, जिसकी तकनीकी स्वीकृति पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा दे दी गई है। इसके अलावा स्कूल परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश भी दिया गया।

स्टाफ क्वार्टरों का होगा रखरखाव, कर्मियों को मिल सकते हैं सरकारी लाभः मुख्य सचिव ने भवन निर्माण विभाग को स्कूल परिसर स्थित स्टाफ क्वार्टरों के मरम्मत और रखरखाव के लिए निर्देश दिए। वहीं, सैनिक स्कूल प्रशासन ने कर्मियों के पेंशन, पारिवारिक पेंशन, एनपीएस और अन्य लाभ राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर अनुमानित खर्च करीब 7 करोड़ रुपये आएगा। इस प्रस्ताव पर निर्णय लेने से पहले मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा विभाग को अन्य राज्यों के सैनिक स्कूलों के मॉडल का अध्ययन करने को कहा है।

अब कोडरमा में ही होगी छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांचः अब सैनिक स्कूल तिलैया के छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच कोडरमा में ही कराई जाएगी। अब तक छात्रों को इसके लिए हजारीबाग जाना पड़ता था, जिससे छात्रों और प्रबंधन को असुविधा होती थी। इस अहम बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और सैनिक स्कूल तिलैया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

ठनका गिरने से महिला की मौत

मुरी : सिल्ली के टुटकी में धान रोपनी कर रही एक महिला संज्योति देवी की ठनका से मौत हो गई। वहीं कल्पना देवी घायल अवस्था में सिल्ली अस्पताल में इलाजरत है। संज्योति देवी बंगाल बंसा की रहने वाली थी जो टुटकी में अपने फुफा के यहां रोपनी करने आयी थी।

मुरी- रांची मुख्य मार्ग पर रोज हो रही हैं दुर्घटनाएं, प्रशासन मौन

सिल्ली : मुरी-रांची मुख्य पथ सिंगल व संकीर्ण होने कारण छोटी बड़ी वाहनों के बीच सड़क दुर्घटनाएं आम हो गया, सालोंभर घटती ही रहती है शनिवार को बरवादाग के समीप एक ट्रक पलटने से बचा गया वही चमघाटी में एक ट्रेलर और बालू लदा टीपर हाइवा में भिडंत हुआ. बाल बाल बचे चालक व उपचालक। बतातें चले की राजधानी रांची से चारों तरफ निकलने वाली सड़कों में से यही एक सड़क मार्ग है जिस पर नेता मंत्री कभी ध्यान नही रहा या फिर जान कर भी अनजान बने रहे ताकि इस सड़क मार्ग क्षेत्र के लोगों का विकास न हो सके। मालूम हो कि इस सड़क मार्ग से झारखंड का ही नही पश्चिम बंगाल के भी नेता मंत्री तथा वीआईपी लोगों का आना जाना लगा रहता है।

15 लाख की अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा : चतरा पुलिस ने प्रतिबंधित अवैध अफीम के कारोबारियों पर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 15 लाख रुपये मूल्य की अफीम की बड़ी खेप जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को अवैध अफीम की खरीद-बिक्री को लेकर पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना पर तुरंत संज्ञान लेते हुए, उन्होंने एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम को पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र में सक्रिय अवैध अफीम नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का जिम्मा सौंपा गया। गठित टीम ने पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंघानी टोला के ललकीमाटी रोड पर रणनीति के तहत जाल बिछाया। पुलिस की टीम ने इसी दौरान अफीम की खरीद-बिक्री करते हुए दो तस्करों को रंगे हाथों धर दबोचा। गिरफ्तारी के वक्त उनके पास से 3 किलो 260 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया, जिसका बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों की पहचान मेराल गांव निवासी सोनू कुमार यादव उर्फ प्रमोद यादव (24 वर्षीय) है, तथा तेतरिया गांव निवासी पीयूष कुमार (18 वर्षीय) के रूप में की गई।पुलिस ने दोनों तस्करों के पास से अफीम के अलावा तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, एक मोटरसाइकिल, वजन करने वाली एक डिजिटल मशीन, एक स्टील का डब्बा, एक काला बैग, पांच एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड तथा एक आरसी कार्ड भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इस पूरी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी मीडिया को दी।

सिमरिया प्रखंड में योजनाओं की समीक्षा व किया स्थल निरीक्षण

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री के निदेर्शानुसार शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी सह सिमरिया प्रखंड के नोडल पदाधिकारी इन्द्र कुमार द्वारा सिमरिया प्रखंड सभागार में सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान प्रखंड में संचालित विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर श्री कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने लंबित कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक के पश्चात उन्होंने मौके पर पहुँच कर विभिन्न योजनाओं से संबंधित स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान योजना बोर्ड, गुणवत्ता मानक, कार्य प्रगति आदि बिंदुओं का गहन अवलोकन किया गया।इस दौरान कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। श्री इन्द्र कुमार ने संबंधित विद्यालयों में जाकर यह जांच किया कि छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त हो रही है या नहीं। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता की जानकारी ली। साथ ही, शिक्षा विभाग से संबंधित रेल योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का भी जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर से लगातार निगरानी एवं फील्ड विजिट के माध्यम से योजनाओं की पारदर्शी एवं सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि आमजन को इनका वास्तविक लाभ मिल सके।

पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया एनडीपीएस एक्ट का प्रशिक्षण

संपत्ति कुर्क व कार्रवाई करने की दी गई जानकारी

संवाददाता

चतराः पुलिस लाइन के सभागार में शुक्रवार को एनडीपीएस एक्ट पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश शंभु लाल साव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तारकेश्वर दास, रजिस्ट्रार प्रशांत सिंह व एसपी सुमित कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। जबकि प्रशिक्षक की भूमिका नारकोटिक्स ब्यूरो रांची से आए मनोहर मंजूल मौजूद थे। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों के जांच कौशल को बढ़ाने और एनडीपीएस अधिनियम मामलों की जांच करते समय की जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न दोषसिद्धि और बरी मामलों के केस स्टडीज पर प्रशिक्षण में विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण में उपस्थित पदाधिकारियों को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा सभी प्रासंगिक धाराओं और एनडीपीएस एक्ट के अनुपालन पर जोर दिया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एनडीपीएस एक्ट के अनुपालन में कोई कमी नहीं रह जाए। ऐसा होने पर आरोपियों के दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में घातक साबित हो सकती है। कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट के आरोपियों द्वारा अर्जित संपत्तियों को कुर्क करने तथा अन्य इनके विरुद्ध की जाने वाली अन्य कानूनी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी पुलिस पदाधिकारियों को दी गयी। मौके पर डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल, टंडवा एसडीपीओ प्रभार रंजन सहित जिले के सभी सभी थानों के थाना प्रभारी व इंस्पेक्टर उपस्थित थे।

प्रतापपुर के हारा फीडर में लो वोल्टेज का 'ड्रामा', ग्रामीण परेशान

संवाददाता

चतराः जिले के प्रतापपुर प्रखंड में बिजली विभाग की लचर व्यवस्था और लो वोल्टेज की समस्या ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है। क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति महज ₹अपनी उपस्थिति दर्ज₹ करा रही है, लेकिन उसकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि यह ग्रामीणों के लिए लगातार मुसीबतें खड़ी कर रही है। वर्षों से प्रतापपुर का 'हारा फीडर' अपनी अनियमितताओं और 'ड्रामेबाजी' के लिए कुख्यात हो चुका है, जिससे जुड़े हजारों ग्रामीणों को हर मिनट, हर घंटे और हर दिन बिजली की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हारा फीडर से जुड़े ग्रामीणों का रात का चैन छिन गया है। लो वोल्टेज के कारण उनकी नींद हराम हो रही है। घरों के बिजली के उपकरण जैसे पंखे, कूलर, फ्रिज आदि या तो चल नहीं पाते या फिर इतनी धीमी गति से चलते हैं कि उनका उपयोग व्यर्थ हो जाता है। कई उपकरण तो लो वोल्टेज के कारण खराब भी हो चुके हैं, जिससे ग्रामीणों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। छात्रों को शाम ढलते ही पढ़ाई में दिक्कतें आने लगती हैं, और छोटे व्यवसायी भी प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि वे बिजली से चलने वाले उपकरण ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या इतनी पुरानी हो चुकी है कि वे अब इससे पूरी तरह से हताश हो चुके हैं। इस गंभीर समस्या पर बिजली विभाग कुछ भी कहने या बताने से बच रहा है। अधिकारी इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से लगातार इनकार कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनकी शिकायतें अनसुनी की जा रही हैं, और उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल रहा है कि इस समस्या का समाधान कब तक होगा। बिजली विभाग का यह उदासीन रवैया उन ग्रामीणों को निराश कर रहा है, जो नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करते हैं, लेकिन उन्हें उचित सेवा नहीं मिल रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सांसद और विधायक की चुनावी घोषणाएं सिर्फ कागजी दिखावा बनकर ही रह जाएंगी..? चुनाव के दौरान बिजली सुधारने और विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन आखिरकार नेता जी चुनाव जीतने के बाद बिजली समस्या को अपनी प्राथमिकता की फाइल में क्यों नहीं रखते...? क्या उन्हें बिजली जैसी मूलभूत सुविधा की समस्या से जूझ रहे अपने क्षेत्र की जनता की परवाह नहीं है? ग्रामीण लगातार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। क्या उन्हें इस बिजली की उत्पन्न समस्या से कभी निजात मिलेगी या यह उनके भाग्य का हिस्सा बन चुकी है? प्रतापपुर के ग्रामीणों की यह समस्या केवल बिजली की नहीं, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता और विकास से भी जुड़ी है। यह देखना होगा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर कब ध्यान देते हैं और ग्रामीणों को लो वोल्टेज के इस दुष्चक्र से मुक्ति दिलाते हैं।

हाईवा की चपेट में आने से एक मवेशी की मौत

गिद्धौर(चतरा): थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव के जामुन चौक समीप एक अज्ञात कोलवाहन एक मवेशी को रौंदते हुए फरार हो गया। दुर्घटना में मवेशी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।मवेशी थाना क्षेत्र के लुब्धिया गांव निवासी देवकी यादव का बताया गया।पशु पालक ने बताया के शुक्रवार को अहले सुबह मवेशी को खोलकर चराने जा रहा था मवेशी सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान चतरा की ओर से तेज गति में कटकमसांडी जा रहे कोलवाहन ने मवेशी को जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया। जिससे पशुपालक को लगभग पंद्रह हजार रुपये का नुकसान हो गया है।

कान्हाचट्टी पहुंचे सांसद, भुनेश्वर साहू के परिजन से मिले, किया शोक व्यक्त

संवाददाता

चतराः सांसद कालीचरण सिंह आज कान्हाचट्टी प्रखंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कादे गांव निवासी स्व. भुनेश्वर साहू के निधन पर उनके परिजनों से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। श्री साहू के निधन की सूचना पाकर सांसद श्री सिंह सीधे उनके निवास स्थान पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके पश्चात वे ग्राम कान्हा पहुँचे, जहां श्री सीताराम सिंह जी के पुत्र का कुछ दिन पूर्व दुखद निधन हो गया था। सांसद श्री सिंह ने वहां भी शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

सांसद, विधायक व उपायुक्त रहे उपस्थित

संवाददाता

चतराः श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में शुक्रवार को जिला नियोजनालय द्वारा चतरा कॉलेज के समीप स्थित हैलीपैड मैदान में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिले के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न निजी क्षेत्रों में रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इस अवसर पर चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह, सिमरिया विधायक सिमरिया कुमार उज्ज्वल दास एवं उपायुक्त कीर्तिश्री जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसके पश्चात सभी ने मेले में लगाए गए विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा युवाओं से संवाद स्थापित किया।

रोजगार मेला की प्रमुख विशेषताएँः देश की 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने मेले में भाग लिया, जिनमें विभिन्न सेक्टर जैसे निर्माण, सुरक्षा, उत्पादन, रिटेल, हेल्थ, आईटी आदि शामिल थे। तकनीकी, अर्ध-तकनीकी एवं गैर-तकनीकी श्रेणी के लिए 1678 रिक्तियों के विरुद्ध ऑन-द-स्पॉट साक्षात्कार की व्यवस्था की गई। 119 अभ्यर्थियों का ऑन-द-स्पॉट चयन किया गया, जबकि 363 युवाओं को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिन्हें आगे रोजगार से जोड़ा जाएगा। कंपनियों और अभ्यर्थियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद का मंच तैयार हुआ, जिससे युवाओं को अपनी योग्यताओं के अनुरूप अवसर प्राप्त हुए। मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय युवा-युवतियों की भागीदारी देखी गई, जिससे रोजगार के प्रति जागरूकता और उत्साह परिलक्षित हुआ।

उपायुक्त कीर्तिश्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह रोजगार मेला चतरा जिले के युवाओं को स्वरोजगार एवं निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि युवाओं को उनके कौशल और क्षमता के अनुरूप स्थानीय या निकटवर्ती स्थानों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े और वे आत्मनिर्भर बनें।सांसद एवं विधायक ने संयुक्त रूप से युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले युवाओं को नया रास्ता दिखाते हैं। ये मंच युवाओं और कंपनियों के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार की नई संभावनाएँ बन रही हैं।इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी, श्रम विभाग के पदाधिकारी, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षकगण, स्थानीय शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति रही। मौके पर काउंसलिंग, डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन और प्राथमिक चयन प्रक्रिया भी संचालित की गई।जिला प्रशासन द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि इस प्रकार के रोजगार मेले भविष्य में नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्थायी एवं सम्मानजनक रोजगार से जोड़ा जा सके।

सीएम ,जस्टिस और अपर मुख्य सचिव बनकर ठगी करने वाले रंजन मिश्रा पर इनाम की घोषणा

संवाददाता

रांची : राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री, जस्टिस और अन्य शीर्ष अधिकारियों के नाम पर ठगी करने वाले कुख्यात अपराधी रंजन कुमार मिश्रा के खिलाफ रांची पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। रंजन कुमार मिश्रा जमशेदपुर जिले के परसुडीह का रहने वाला है।

रंजन मिश्रा के बारे में पता चले तो तुरंत दें रांची पुलिस को सूचनाः रांची पुलिस ने जनता से अपील की है कि रंजन कुमार मिश्रा के रहने या छिपे होने के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल रांची एसएसपी के मोबाइल नंबर 9431706136 पर या एटीएस एसपी के फोन नंबर 9771438670 पर सूचित करें। सूचना देने वाले को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी और सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। पूर्व सीएम बनकर अर्जुन मुंडा से ही कर ली ठगी : रंजन मिश्रा बेहद शातिर अपराधी है। 2018 में उसने खुद को पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा बताकर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा से 40 लाख रुपये की ठगी की थी। इसके अलावा, 2020 में उसने उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी के नाम पर राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर राजमणि को ठगने का प्रयास किया था। इस मामले की जांच के दौरान एसटीएफ ने उसे 30 जुलाई 2020 को जमशेदपुर से गिरफ्तार किया था। लंबी अवधि तक जेल में रहने के बाद, रंजन मिश्रा 2023 में रिहा हुआ। इसके बाद उसने रांची में जस्टिस के नाम पर ठगी करने की कोशिश की, जिसके संबंध में गोंदा थाना में मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों और कोर्ट के जस्टिस के नाम पर करता है ठगी : अपराधी रंजन मिश्रा राज्य सरकार के शीर्ष पदों पर कार्यरत अधिकारियों और कोर्ट के जस्टिस के नाम का दुरुपयोग कर अपने अधीनस्थ लोगों से ठगी करने में संलिप्त पाया गया है। पुलिस के कई प्रयासों के बावजूद उसके ठिकाने का पता नहीं चल पाया है, जिसके बाद यह इनाम घोषित किया गया है। रंजन मिश्रा के खिलाफ झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में कुल 19 मामले दर्ज हैं।

पांच दिवसीय संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा कल से, तैयारियां पूरी

संवाददाता

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग रांची में परमहंस डॉ संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में 27 से 31 जुलाई तक मंदिर परिसर में पांच दिवसीय संगीतमय श्रीकृष्ण बीतक कथा का भव्य आयोजन किया गया है। जो आध्यात्मिक श्रद्धालुओं के लिए एक अनुपम अवसर होगा। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि श्री कृष्ण बीतक कथा की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस आयोजन में वृंदावन से पधार रही सुप्रसिद्ध कथावाचक विदुषी साध्वी मीणा महाराज एवं विदुषी साध्वी पूर्णा महाराज 27 जुलाई दिन रविवार से 31 जुलाई गुरुवार तक प्रतिदिन समय अपराह्न- 2:30 बजे से संध्या 5 बजे तक दोनों साध्वी गण अपनी मधुर वाणी, गहन आध्यात्मिक अनुभव और श्रद्धा से परिपूर्ण भावों के माध्यम से श्रीकृष्ण लीला, रासोत्सव, भक्ति योग एवं जीवन दर्शन की व्याख्या करेंगी। श्रीकृष्ण बीतक कथा, केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आत्मा के शुद्धिकरण, मन की शांति और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला एक महायज्ञ है। इस कथा में भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल, युवावस्था, गीता ज्ञान, रासलीला एवं उनके अद्भुत चरित्र की व्याख्या की जाएगी। विशेषकर आज के युग में श्रीकृष्ण के उपदेश, धर्म के प्रति उनका समर्पण और निष्काम कर्म की भावना युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है। कथा के उपरांत प्रतिदिन सामूहिक आरती व प्रसाद वितरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं, भक्तों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस आध्यात्मिक महोत्सव में सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करें और भक्ति रस में सराबोर हों।

सावन महोत्सव में महिलाएं हुईं शामिल

रांची/मेट्रो रेज संवाददाता : होटल प्लाटू इन में आयोजित सावन महोत्सव में कल्पना ,सोनाली, प्रतिभा, प्रेमा, पूनम,शबनम,माला,संगीता, अलका ने भाग लिया । इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को फिर मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची : देश के रक्षा राज्य मंत्री और रांची लोकसभा सीट से भाजपा सांसद संजय सेठ को एक फिर धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, धमकी देने वाले ने मैसेज कर गोली चलाने की बात कही है। मामला संज्ञान में आने के बाद रांची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। संजय सेठ को जिस नंबर से धमकी दी गई है, रांची पुलिस उसका डिटेल खंगाल रही है। दिसंबर में रंगदारी नहीं देने पर मिली थी जान से मारने की धमकीः बता दें कि संजय सेठ को धमकी दिए जाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी संजय सेठ को धमकी दी गई थी। संजय सेठ से टेक्स्ट मैसेज के जरिये 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। ऐसा नहीं पर जान मारने की धमकी दी थी। धमकी देने वाले ने मैसेज के अंत में लाल सलाम लिखकर अपनी बात खत्म की थी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति–शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है । **क्र. सं. 1 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** गति– शक्ति/इंजी./जेपी/ 2025– 26/07 उप मुख्य अभियंता (जी.एस.यू.) जयपुर–जयपुर मण्डल में रेवाड़ी– रींगस–फुलेरा सेक्शन के बीच विभिन्न स्टेशनों पर प्लेटफार्म को उठाना/विस्तार करना, प्लेटफार्म शैल्टर और अन्य सहायक सिविल इंजीनियरिंग प्रदान करने का कार्य। **अनुमानित लागत रूपये :** 314466331.06 **बयाना राशि रूपये :** 1722300/– 1. उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड–मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति–शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है । 2 निविदा सं. गति – शक्ति/इंजी./जेपी/2025 – 26/07 की बन्द होने की तिथि 18.08.25 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 18.08.25 समय 16.00 बजे ।

901-DR/25

हमें /NWRailways /NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक/मंडल डिपो/उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **1 मद का नाम :** फेज अतुल्यकालिक कर्षण मोटर (प्रतिरोध वलय यांत्रिक रूप से एंड प्लेट डिजाइन रोटर से इंटरलॉक किया गया, योजना–I) **2 कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 42921320.00. (केवल चार करोड़ उनतीस लाख इक्कीस हजार तीन सौ बीस रुपये) **3 बयाना राशि :** रु. 858430.00 (रु. आठ लाख अट्ठावन हजार चार सौ तीस रुपये मात्र) **4 ई–निविदा जमा कराने की अन्तिम तिथि व समय एवं ई –निविदा खोलने की दिनांक व समय :** 13.08.2025, 14:25 **5 वेबसाइट विवरण जहाँ से ई–निविदा सम्बंधित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है। :** www.ireps.gov.in **6 कार्यालय का पता जहाँ से निविदा जारी की गई है।:** वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक कार्यालय/मंडल कार्यालय/उ.प.रे./जोधपुर 342001 (राजस्थान) **नोट :–** 1. यह ई–निविदा है कि इस में किसी भी मैन्युअल प्रस्तावो नहीं है और किसी भी तरह के मैनुअल निविदा को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जायेगा 2. निविदा दस्तावेज और बयाना राशि का भुगतान केवल आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट पर भुगतान गेटवे की सुविधा के माध्यम से ई–स्थानांतरण से ही करे।

911-DR/25

हमें /NWRailways /NWRailways_पर फॉलो करें

भूमि निबंधन व राजस्व विभाग के कई अधिकारियों का तबादला,अधिसूचना जारी

रांचीः हेमंत सोरेन सरकार ने भूमि निबंधन एवं राजस्व विभाग के कई अधिकारियों का तबादला किया है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, देवघर, सरायकेला और खूंटी समेत अन्य कई जिलों में पदस्थापित रजिस्ट्रार के ट्रांसफर-पोस्टिंग की अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक रांची जिला अवर निबंधक के पद पर दिलीप कुमार सिंह की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही वर्तमान जिला अवर निबंधक वैभव मणि त्रिपाठी का निबंधक महानिरीक्षक के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

युवती पर फेंका तेजाब,भर्ती

रांची : कांके थाना क्षेत्र में युवती पर तेजाब फेंका गया है। तेजाब के कारण युवती पूरी तरह झुलस गई। उसे बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। यह मामला कांके के थाना क्षेत्र के टेंडर बस्ती का बताया जा रहा है। घटना के बाद लोगों में बड़ी आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक पूरा मामला प्रेम प्रसंग का बताया जाता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवीन जायसवाल बने विधानमंडल दल के मुख्य सचेतक

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक फेरबदल करते हुए हटिया विधायक नवीन जायसवाल को विधानमंडल दल का मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। इसके साथ ही धनबाद के विधायक राज सिन्हा और बोकारो के विधायक नागेंद्र महतो को उप सचेतक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवीन जायसवाल लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें संसदीय कार्यों, अनुशासन और विधायकों की उपस्थिति बनाए रखने का अच्छा अनुभव है, जो इस नई जिम्मेदारी में कारगर साबित होगा। राज सिन्हा और नागेंद्र महतो को उप सचेतक बनाए जाने से क्षेत्रीय संतुलन भी सुनिश्चित किया गया है। दोनों विधायक अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क और पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि यह बदलाव आगामी विधानसभा सत्रों में पार्टी की रणनीति को और मजबूत करने के लिए किया गया है।

छवि रंजन की बेल पर फैसला सुरक्षित

संवाददाता

रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय ने जमीन घोटाले के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला

आम सूचना

विशेष लोक अदालत

दिनांक 30 अगस्त 2025 (शनिवार)

स्थान –व्यवहार न्यायालय परिसर, गुमला

निःशुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झालसा, रांची के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय (कचहरी), गुमला के प्रांगण में दिनांक 30.08.2025 को समय 10.00 बजे से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

उक्त विशेष लोक अदालत में निम्नलिखित प्रकार के मामले का निष्पादन किया जायेगा :–

चेक बाउंस के मामले, मोटरवाहन दुर्घटना के मामले, भू–राजस्व से संबंधित मामले एवं पारिवारिक विवादों से संबंधित मामले

दिनांक 04.08.2025 से दिनांक 29.08.2025 तक प्री कौसलिग सीटिंग जारी रहेगा। इस बीच वादीगण आकर अपने वाद का सुलह समझौता से माननीय न्यायालय मे निपटारा करा सकते है।

इस संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर दिन के 10.00 बजे से 5.00 बजे तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला के कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं।

नालसा टोल फ्री नम्बर : 15100

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे :– 9905571507

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला

राम कुमार लाल गुप्ता, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।	**हरिस बिन जमां,** पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।	**प्रेरणा दीक्षित,** उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।	**ध्रुव चंद्र मिश्र,** प्रधान जिला एंव सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

PR 358203 (Law) 25-26 (D)

शख्सियत : कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बने एसीएफ अविनाश कुमार परमार

मेट्रो रेज डेस्क

झारखंड सरकार के वन विभाग अंतर्गत हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल में कार्यरत सहायक वन संरक्षक अविनाश कुमार परमार की पहचान एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में है। श्री परमार उत्कृष्ट कार्य शैली और विभागीय कार्यों के प्रति समर्पण से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहे हैं। विभागीय योजनाओं को गति देने के साथ-साथ हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत जंगल माफिया पर शिकंजा कसने की दिशा में भी उन्होंने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। श्री परमार ने विगत तकरीबन तीन साल में लगभग 400 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। अति संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित लगभग एक सौ आरा मीलों को ध्वस्त किया। लगभग 125 ट्रैक्टर अवैध लकड़ियां जब्त की। श्री परमार के नेतृत्व में उनकी टीम में शामिल वन कर्मियों ने अवैध कोयला,बालू व लकड़ी के कारोबारियों पर शिकंजा कसते हुए यह संदेश दिया कि इस क्षेत्र में अवैध कारोबार करने वाले अपना बोरिया-बिस्तर समेट लें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। उन्होंने अवैध कारोबारियों से जब्त किए गए लकड़ियों व अन्य सामग्री की नीलामी कराकर सरकार को तीन करोड़ रुपए से अधिक राजस्व दिलाया। अवैध कोयला खदानों का डोजरिंग कर लगभग 500 टन से भी अधिक कोयला जब्त किया। उनकी आक्रामक कार्यशैली से अवैध कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा रहता है। श्री परमार बताते हैं कि उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल अंतर्गत चौपारण में वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। वहां अवैध रूप से बनाए गए सैकड़ों दुकानों/होटलों को अपनी बुद्धिमता से हटाने में सफल रहे। वहां पर लाइनर प्लांटेशन कराया। पश्चिमी वन प्रमंडल अंतर्गत चतरा जिले के बनही में वन भूमि पर पोस्ते की अवैध खेती को नष्ट कराने में भी सफल रहे। वहां लगभग 50 हेक्टेयर वन भूमि को कब्जा मुक्त कराते हुए पौधरोपण कराया।

हाल ही में श्री परमार ने हजारीबाग जिला अंतर्गत कटकमसांडी प्रखंड के अड़रा जंगल में विवादित तकरीबन 125 एकड़ वन भूमि पर कब्जा हटवाकर सागवान, शीशम, बांस आदि के पौधे लगवाए। उनकी आक्रामक कार्यशैली और विभागीय कार्यों के प्रति सक्रियता की सराहना की जाती है। अपनी कर्मठता के बलबूते श्री परमार सरकारी कामकाज को बखूबी गति देने में सफल हो रहे हैं।

ऊर्जा विभाग

झारखण्ड सरकार, विद्युत कार्यपालक अभियन्ता

विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0–2, धुर्वा, रॉची।

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/37/2025-26 — दिनांक–25/07/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	खूँटी, स्थित S.S Astroturf Hockey Stadium मे 6 अदद् 29.5 मीटर के स्टेडियम लाईट के अधिष्ठापन का कार्य।	3,49,17,142=00	10,000=00	6,99,000=00	छः माह
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	06.08.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	07.08.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 13.08.2025 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	14.08.2025 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	मुख्य विद्युत अभियन्ता, ऊर्जा विभाग, झारखण्ड, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।

PR 358243 (Energy) 25-26 (D)

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अतः इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है। साथ ही बहुत संभव है कि रिकॉर्ड करने वाले पक्ष ने सतर्क होकर प्रतिक्रिया दी हो। ऐसे में उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक नहीं हो सकती।

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

उदयपुर फाइल्सः उन्हें फिल्म में सत्य दिखाने पर साम्प्रदायिकता की गंध आ रही

> जिन्हें इस फिल्म से परेशानी है, वे सांप्रदायिकता का आधार लेकर यही चाहते हैं कि ये फिल्म कभी प्रदर्शति ही न हो। इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए बड़े–बड़े वकील लगे हुए हैं। ये लोग सर्वोच्च न्यायालय में फिल्म को ह्यभड़काने वालाह्ल बता रहे हैं। कभी–कभी अभिव्यक्ति की बात करने वालों, उसके नाम पर प्रदर्शन करेनवालों और कोर्ट में इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए जो केस लड़ रहे हैं, उनकी सोच पर आश्चर्य होता है।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

सत्य घटना पर आधारित फिल्?म 'उदयपुर फाइल्स' अपने प्रसारण के लिए संघर्ष करती दिख रही है। सभी के सामने है, केस- मोहम्मद जावेद बनाम यूओआई और जानी फायरफॉक्स मीडिया बनाम मौलाना अरशद मदनी, जिसकी सुनवाई 24 जुलाई, 2025 को भी जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में हुई। जिन्हें इस फिल्म से परेशानी है, वे सांप्रदायिकता का आधार लेकर यही चाहते हैं कि ये फिल्म कभी प्रदर्शति ही न हो। इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए बड़े-बड़े वकील लगे हुए हैं। ये लोग सर्वोच्च न्यायालय में फिल्म को भड़काने वाला बता रहे हैं। कभी-कभी अभिव्यक्ति की बात करने वालों, उसके नाम पर प्रदर्शन करेनवालों और कोर्ट में इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए जो केस लड़ रहे हैं, उनकी सोच पर आश्चर्य होता है। क्या अभिव्यक्ति का अर्थ सिर्फ भारत में बहुसंख्यक हिन्दू समाज पर ही लागू है जब हम सेक्युलर शब्द का इस्तेमाल अपने देश के लिए करते हैं, तो यह सेकुलरिज्म को बनाए रखने की जिम्मेदारी सिर्फ इस देश के हिन्दू समाज के ऊपर ही है इस प्रकरण में जब राष्ट्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने इसके प्रदर्शन को लेकर अपनी सहमति दे दी। विवाद से जुड़े सभी दृश्य हटा दिए गए। तब फिर क्यों सर्वोच्च न्यायालय में यह सिद्ध करने का प्रयास हो रहा है कि यह फिल्म दिखाई ही नहीं जानी चाहिए। इससे (हिन्दू-मुस्लिम) सांप्रदायिक तनाव होने का खतरा है। क्या इस सच को झुठलाया जा सकता है कि 28 जून, 2022 को उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल तेली की हत्या दो जिहादियों-रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने धारदार हथियार से गला काटकर कर दी थी! एक अन्य जिहादी ने तो हत्या का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया तक में साझा किया था। आरोपियों ने दावा किया कि यह कृत्य पूर्व भाजपा नेता नूपुर शर्मा के समर्थन में कन्हैयालाल द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट का बदला लेने के लिए किया गया है। इस हत्याकांड के बाद पूरी दुनिया में बर्बर जिहादी सोच पर चिंता जताई गई थी। देखा जाए तो इसी जिहादी सोच के प्रति जागरुक करने के लिए फिल्म उदयपुर फाइल्स लोगों के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास फिल्म निर्देशक भरत एस. श्रीनेत के द्वारा किया गया। फिर भी यह समझ से परे है कि आखिर मोहम्मद जावेद और मौलाना अरशद मदनी एवं कुछ अन्य इस फिल्म को क्यों नहीं प्रदर्शति होने देना चाहते जबकि सर्वोच्च न्यायालय में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा बताया गया है कि फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' में 55 कट लगाए गए हैं। भड़काऊ सामग्री हटाई गई है। डिस्क्लेमर जोड़े गए हैं; फिल्म की कहानी पूरी तरह से संतुलित है।न्यायालय को राष्ट्रीय फिल्म प्रमाणन मानदंडों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है, यहां तक कि विदेश मंत्रालय तक से भी इस फिल्म पर परामर्श किया गया है। फिल्म से 13 मिनट का फुटेज काट दिया गया है। पूरी फि ल्म में सामान्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है। सुनवाई के दौरान, निमार्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने भी इसी तरह की अपनी जानकारी से कोर्ट को अवगत कराया। फिल्म के प्रसारण के पूर्व जो छह प्रमुख बदलाव लागू करने का निर्देश दिया गया था, वे सभी हो चुके हैं। फिर इतने अधिक परिवर्तन करने के बाद भी कोर्ट में मोहम्मद जावेद और मौलाना अरशद मदनी की ओर से खड़े वकील फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को सिनेमा घरों में प्रदर्शति होने देना नहीं चाहते! इस फिल्म रिलीज का विरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से) और मेनका गुरुस्वामी (आरोपी मोहम्मद जावेद की ओर से) का तर्क कि फिल्म आरोपपत्र की नकल करती है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काती है- वास्तव में समझ से परे है। ऐसा इसलिए है क्योंकि फिल्म समाज के जागरण के लिए है। आज इस बात की सबसे ज्यादा जरूरत है कि जो लोग न्यायालय में इस फिल्म के विरोध में खड़े हैं, वे कन्हैयालाल के परिवार के दर्द को भी समझें।

तीन साल से इस केस में किसी भी अपराधी को सजा नहीं मिली

बेटे यश का दर्द भी यही है, फिल्म के खिलाफ जो याचिका लगी है, वह शायद तीन या चार दिन पहले लगी थी। लेकिन एक याचिका जो उसने अपने पिताजी के साथ हुई बर्बर घटना के समय आज से करीब तीन साल पहले लगाई थी, उस केस का अबतक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। आज तक वह केस जैसे का तैसा ही है। उस केस में डेढ़ सौ से अधिक गवाह थे, जिसमें शायद 15 या 16 की पेशियां भी नहीं हुईं। न उसमें फास्ट ट्रैक लगा। सबूत वगैरह सब कुछ होने के बावजूद तीन साल से इस केस में किसी भी अपराधी को सजा नहीं मिली। यश कहते हैं, जब कोई फिल्म के जरिए देश को हकीकत दिखाना चाहता है, तो इसके लिए पूरा सिस्टम खड़ा हो जाता है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद, मौलाना मदनी आ जाते हैं कि नहीं; इस फिल्म पर रोक लगनी चाहिए। और सिर्फ तीन दिन के अंदर हमें पता चल रहा है कि फिल्म पर रोक भी लग गई। वहीं जब किसी केस में अपराधियों को सजा देनी होती है, तो वह नहीं हो रही है। यह गंभीरता से सोचने वाली बात है। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल कहते हैं, उदयपुर में कन्हैयालाल के हत्यारों के विरुद्ध एनआईए ने छह माह में ही चार्जशीट दाखिल कर दी थी।

आइए मनाएं कारगिल विजय दिवस

> ाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई की तारीख को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान के सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी।

योगेश कुमार गोयल

इस साल 26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई की तारीख को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान के सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था। कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ। बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्ये दिल मांगे मोरह्ल तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

श्रीराम कथा से पहले भगवान शिव ने बताए जीवन के वो सत्य

भगवान शंकर जब देवी पार्वती को श्रीराम कथा का रसपान कराना आरम्भ करते हैं, तो सर्वप्रथम वे जो वाक्य कहते हैं, वे बड़े सार्थक व गंभीर हैं। भोलेनाथ कहते हैं, कि हे पार्वती जब मानव के शरीर की रचना होती है, तो उसके तन के प्रत्येक अंग को प्रभु भक्ति व सेवा साधना के लिए ही रचा गया होता है। उदाहरणतः अगर हम मनुष्य के कानों की ही बात करें, तो साधारण मानव अपने कर्ण द्वारों से, संसार के रसहीन रागा व गीतों को ही तो सुनता है। उसे मन को विचलित वाले गीतों में जो रुचि मिलती है, वह उसे प्रभु की कथा में नहीं मिलती। किसी की निंदा अथवा चुगली हो, तो वह अपने कर्ण द्वारों को ऐसे खोलता है, मानों स्वर्ग के द्वार खोले जा रहे हों। ऐसे ही लोगों के लिए भगवान शंकर ने कहा-

ह्यजिन्ह हरिकथा सुनी नहिं काना।
श्रवन रंध्र अहिभवन समाना।

अर्थात जो लोगों ने, कभी भी हरि की कथा को श्रवण नहीं किया। उनके कानों के छेद, कोई साधारण छेद न होकर, सर्पों की बिल वाले छेदों के समान हैं। निश्चित ही सर्प कभी बिल नहीं खोद सकता। क्योंकि उसकी देहाकृति उसे बिल खोदने की आज्ञा नहीं देती। प्रश्न उठता है, कि फिर कैसे सर्प की इतनी बिलें दिखाई देती हैं? वास्तव में सर्प चूहे की बिल पर आक्रमण करता है। बिल में चूहे को मार कर व उसे खाकर, सर्प उस बिल को अपना घर बना लेता है। जहाँ वह हर समय फूंकारता रहता है। बिल को अपने विष से विषाक्त रखता है। ठीक इसी प्रकार से हमारे कानों में रहना तो चाहिए, प्रभु की कथा के शब्दों का रस। किंतु निंदा व चुगली जैसे विषाक्त शब्दों रुपी सर्प, हमारे कानों पर अधिकार कर लेते हैं। जिस कारण हमारे कानों में केवल विष ही विष भरा होता है।

इसके पश्चात भगवान शंकर कहते हैं-

ह्यनयनन्हि संत दरस नहिं देखा।
लोचन मोरपंख कर लेखा।।ह्ल

अर्थात हमारे नयनों का भी एक विशेष कार्य है। देखा जाये तो व्यक्ति के मुख की सुंदरता में, आँखों की बनावट का बहुत बड़ा हाथ होता है। किसी नारी के नेत्रें की सुंदरता का बखान, इस अलँकृत शब्दों के साथ किया जाता है, कि अमुक सुंदरी की आँखें तो मृग की भाँति हैं। या यूँ कहें, कि वह नारी तो मृगनयनी है।

क्या संतों की दृष्टि में भी, नयनों की सुंदरता की यही परिभाषा है? जी नहीं! वे इस तथ्य पर कभी केंद्रित नहीं होते, कि किसी की चमड़े की आँख कैसी है, या कैसी नहीं? अपितु वे यह देखते हैं, कि किन नेत्रें ने संतों के दर्शन किये हैं, या किन नेत्रें ने नहीं किये? अगर किसी ने संपूर्ण सृष्टि में, समस्त सुंदर लोकों व दृष्यों का दर्शण किया है, किंतु संतों का दर्शण नहीं किया, तो मान लेना चाहिए, कि उसके नेत्रें का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। उसके नेत्र ठीक ऐसे हैं, जैसे मोर के पंखों पर आँख बनी होती है। मोरपंख पर बनी आँख देखने में तो बहुत सुंदर होती है, किंतु उसकी सुंदरता किसी नेत्रहीन को कोई लाभ नहीं देती है। विचार करके देखिए, कोई नेत्रहीन उस मोरपंख पर बनी आँख को, अपने नेत्रें पर लगाकर कलपना करे, कि अब मुझे दिखने लग जायेगा। तो निश्चित ही यह उसका मतिभ्रम व अज्ञानता है। मोरपंख पर बनी आँख का उसके जीवन में कहीं से भी, कोई लाभ नहीं है। इसलिए ईश्वर ने यह मानव तन दिया है, तो इसकी सार्थक्ता इसमें नहीं, कि इससे संसार के मात्र भोग किये जायें। अपितु इसमें है, कि जीवन रहते-रहते, प्रभु की सेवा व साधना की जाये। क्योंकि यही जीवन का वास्तविक लक्षय है।

आगे भगवान शंकर मानव के सीस पर एक बड़ा सुंदर व्यंग्य करते हैं। व्यंग्य इस संदर्भ में है, कि प्रमात्मा ने मानव को सीस तो दे दिया, किंतु इस सीस को वह गर्व की चाश्नी में डिबोकर, किसी ओर ही दिशा में लिजा रहा है। हमारे सीस की वास्तविक लक्षय क्या है? जानेंगे अगले अंक में।

सेहत

लिवर डैमेज होने पर शरीर में नजर आते हैं ये लक्षण

हमारे शरीर में जब भी किसी तरह की गड़बड़ी की शुरूआत होती है, तो कोई भी अंग ठीक से काम नहीं करता है। या फिर किसी भी न्यूट्रिशन और विटामिन की कमी होने लगती है। तो शरीर में इसके संकेत साफ नजर आते हैं। हालांकि अगर इन संकेतों को शुरूआत में ही समझ लिया जाए, तो आने वाले समय में बड़ी मुश्किल से बचा जा सकता है। पेट में गैस बनना, पाचन का कमजोर होना या ब्लोटिंग महसूस होना, नींद आने में मुश्किल, हमेशा कमजोरी, भूख न लगना, हाथ-पैरों में दर्द रहना या थकान महसूस होना आदि ऐसे लक्षण हैं, जिन पर आपको समय रहते ध्यान देना चाहिए। अगर आपके साथ भी ऐसा लगता है आपको भूख नहीं लगती है और खाना सामने आने पर खाने का मन नहीं करता है, तो यह लिवर की बीमारी का संकेत होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

लिवर की समस्या : आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी खानपान की वजह से कई लोग पेट और लिवर से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं। अगर आपको लंबे समय से भूख नहीं लग रही है या फिर कुछ भी खाने का मन नहीं करता है। तो इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह लिवर की किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। लिवर हमारे शरीर का पावर हाउस है और यह डाइजेशन को सही तरह से चलाने, शरीर में एनर्जी बनाए रखने और शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। जब हमारा लिवर संक्रमित या कमजोर हो जाता है। तो मतली आने, पेट में सूजन, भूख कम लगने या पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। फैटी लिवर, सिरोसिस, हेपेटाइटिस या लिवर इंफेक्शन जैसी बीमारियां आदि भूख न लगने की मुख्य वजह बन सकती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बरहरवा-साहिबगंज रेलखंड पर ट्रेन सेवा बहाल करने की मांग

साहिबगंज : बरहरवा से साहिबगंज रेलखंड पर रात 01:40 से सुबह 06:00 बजे तक कोई भी यात्री ट्रेन नहीं चलने से आम यात्रियों, दैनिक यात्रियों, व्यवसायियों और सरकारी कर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस रेलखंड पर शाम 06:00 बजे के बाद केवल एक ही ट्रेन चलती है, जिससे सुबह कार्यस्थल या गंतव्य तक पहुंचना संभव नहीं हो पाता।समस्या को उठाते हुए यात्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे मालदा को पत्र लिखकर गाड़ी संख्या 13031 अप हावड़ा-जयनगर एक्सप्रेस को पूर्व निर्धारित समयानुसार रात 03:55 बजे बरहरवा से साहिबगंज तक चलाने की मांग की है।उनका कहना है कि पूर्व में इस समय में यह ट्रेन चलती थी,जिससे यात्रियों को राहत मिलती थी।यात्रियों का कहना है कि एमएसटी होने के बावजूद उन्हें बस या वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ता है,जिससे समय और पैसा दोनों की बबार्दी होती है।सभी सरकारी कर्मचारी, व्यापारी और दैनिक यात्री इस मांग को लेकर एकजुट हैं और उन्होंने रेलवे प्रशासन से अनुरोध किया है कि इस ट्रेन को पुनःनिर्धारित समय पर चलाकर आम जनमानस को राहत दी जाए।रेलखंड पर रात्रि और भोर में यात्री सुविधाएं बहाल की जाएं।यात्रियों ने चेताया है कि यदि शीघ्र इस पर निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

मुखिया ने किया नौ दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का वितरण

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड की दक्षिण पलाशगाछी पंचायत में शनिवार को आधा दर्जन से अधिक दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिलों का वितरण किया गया।जानकारी के अनुसार पंचायत के आधा दर्जन पैर से दिव्यांग महिला और पुरुषों के बीच नौ ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। दिव्यांगजन ट्राइसाइकिल पाकर काफी खुश नजर आये। ट्राइसाइकिल वितरण झारखंड सरकार के कल्याण विभाग योजना मद से पंचायत को उपलब्ध कराया गया था।लाभार्थियों में रूहान शेख, समीर शेख, दाऊद हुसैन, रोहिम शेख, सेफाउर शेख, टुली खातून, फुलटुसी खातून, आदोरी खातून और शाहनाज खातून शामिल हैं। इस दौरान मुखिया नफीसा खातून ने कहा हमारी पंचायत का यह प्रयास है कि हम अपने दिव्यांग भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद करें। यह ट्राई साइकिल उन्हें कहीं भी आने-जाने में सुविधा प्रदान करेगी और उनकी दैनिक जिंदगी को आसान बनाएगी। हम भविष्य में भी ऐसे ही कल्याणकारी कार्य करते रहेंगे ताकि कोई भी जरूरतमंद सहायता से वंचित न रहे। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण और पंचायत के अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे, जिन्होंने मुखिया के इस कार्य की सराहना की।

उपायुक्त को आवेदन देकर बिजली विभाग से कवर तार लगाने की मांग

साहिबगंज : जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने उपायुक्त को आवेदन देकर सकरूगढ वार्ड नं0 22 मे कोवर तार लगाने कि मांग कि।पत्र मे उन्होंने बताया कि बिजली विभाग को 15.फरवरी 2025 को सकरूगढ वार्ड नं0 22 मे कोवर तार लगाने के लिए आवेदन दिया था।लेकिन आज तक कोई कार्य नही किया गया।बताया है कि सकरूगढ वार्ड नं0 22 मे हिन्दी मिडियम संत जेविर्यस स्कूल के बगल मे जो नीचे से रोड जाता वहां नगा तार लगा हुआ है।जो काफी जर्जर स्थिति में है।यह बार बार टूट जाता है रास्ता मे गिर जाता है।इससे कभी भी कोई बडी दुर्घटना घट सकती है।परन्तु इस आवेदन पर कोई कार्य नही हुआ।पुनः दो महीने बाद बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिला तो उनकी उपस्थिति में ठेकेदार के द्वारा बोला गया कि 30 जून से यह कार्य कर दिया जायेगा।लेकिन आज तक कोई काम नही हुआ।ठेकेदार को फोन करने पर फोन रिसिव नही करते है।बिजली विभाग के एसडीओ जेई को जानकारी में रहने के बावजूद अभी तक कोई काम नही होना बिजली विभाग का शिथिलता की ओर संकेत करता है।श्री यादव ने बिजली विभाग से शीघ्र कार्य कराने की उपायुक्त से मांग किया है।

अनाज में डालने वाला कीटनाशक दवा खाया अस्पताल में भर्ती मिथुन

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज गोढ़ी टोला निवासी मिथुन सिंह 50 वर्ष ने अनाज में डालने वाला कीटनाशक दवा खा लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजनों में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर मुकेश कुमार ने प्राथमिक उपचार शुरू की।मिथुन सिंह की पत्नी कला देवी ने बताया कि किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई जिससे गुस्से में आकर मिथुन सिंह ने अनाज में डालने वाला कीटनाशक दवा सल्फाश खा लिया जिससे की तबीयत बिगड़ने लगी और लगातार उल्टी करने लगे आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया । जहां डॉक्टर की देखरेख में इलाज चल रहा।

ट्रक ने स्कॉर्पियो को साइड से टक्कर मारा

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के नगर पालिका के समीप एक ट्रक ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दिया। स्कॉर्पियो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कोई बड़ी घटना नहीं हुई। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि नगर पालिका के मुख्य गेट के सामने सादे कलर की स्कॉर्पियो खड़ी थी इसी दौरान स्टेशन की ओर जा रहा एक ट्रक ने स्कॉर्पियो को साइड से टक्कर मार दिया जिससे स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गया हालांकि स्कॉर्पियो में कोई बैठा हुआ नहीं था । कुछ देर के लिए रोड पूरी तरह से जाम हो गया। इधर नगर थाना पुलिस को सूचना मिलते ही मामले की छानबीन करते हुए ट्रक को जब्त कर थाना ले आई।

प्राचीन शिव मंदिर की भूमि को ग्रामीणों ने भू- माफियाओं से मुक्त कराने की मांग की

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : बरहरवा अंचल क्षेत्र अंतर्गत सिरासिन मौजा अन्तर्गत दाग नंबर 158,159 में स्थित प्राचीन शिव मंदिर की भूमि को ग्रामीणों ने भूमाफियाओं से मुक्त करने का मांग करते हुए बरहरवा अंचल अधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य आला अधिकारियों को आवेदन प्रेषित किया है।प्रेषित आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि साहिबगंज जिला के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत मौजा सिरासिन नं158 और 159 में प्राचीन हिंदु समाज का गाँव हुआ करता था। हमारी मान्यता के अनुसार इस गाँव के मौजा सिरासिन 159 जमाबंदी नं0-181 के दाग नं-229 में 16वीं शताब्दी की प्राचीन शिव मंदीर है। मान्यता के अनुसार यह गाँव 19 वीं शताब्दी के मध्य में महामारी के प्रकोप के कारण पलायन कर गये हैं।इस मंदिर के अधिन उक्त दोनों मौजा में जमिन है जो देवत्र व खतियानी रैयत हिंदु है।मौजा सिरासिन 159, जमा० नं0-181 कुल रकवा 12-08-00 बारह बिघा आठ कटठा, जमा० नं०-157 कुल रकवा-06-07-00 छह बिधा सात कटठा जमाबंदी नं0-174 कुल कुल दाग-15 कुल रकवा-19-10-00 19 बिघा दस कटठा जमाबंदी नं0-176 कुल दाग-3 कुल रकवा-05-19-00 पाँच बिघा उन्नैस कटठा हैं।बर्तमान में जमाबंदी 176 के दाग नं0-232, जमाबंदी 157 के दाग नं0-233. जमावंदी 174 के दाग नं0-227 और जमावंदी181 पर अबैध निर्माण चल रहा है।उक्त जमाबंदी का सारा जमिन मंदिर से लगी हुई है।परंतु चंद् भूमाफिया उक्त जमीन को हड़पने में लगे हुए हैं।जिसमें उक्त जमीन पर अबैध तरीके से कब्जा कर पोखर पटाल,ग्रामिन सड़क अनावादी,पुरातन पतित,लाखाज द्वार आदि सारा नष्ट कर दिया है। यहाँ तक कि मंदिर जाने का रास्ता भी बंद कर कब्जा कर लिया है।उन्होंने कहा है कि जमिन कब्जाने वाले लोग कट्टरपंथि मानसिकता के व अपराधिक गतिविधि से संबन्ध रखता है।मंदिर में पूजा अर्चना पर धमकी देता है। पूजा अर्चना की स्थिति बहुत संबेदनशील है।मंदिर जिणोर्धार ,निर्माण समिति तथा हम हिंदु समाज इसकी न्यायिक जाँच कर उक्त दोनों मौजा का जमिन अबैध कब्जा से मुक्त कराने तथा मंदिर एवं श्रद्यालु ,पूजारियों की सुरक्षा हेतु पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग करते हैं।आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त साहिबगंज, आरक्षी अधिक्षक साहेबगंज,मुख्य सचिव,झारखंड सरकार राज्यपाल झारखंड, गृह सचिव,भारत सरकार को भी प्रेषित किया है।प्रेषित आवेदन में मुख्य रूप से ग्रामीण वासुदेव मंडल,प्रदोष घोष,समर राजवाड़,मिठुन घोष,जगदीश ठकुर, राधेश्याम ठाकुर,पुर्णिमा देबी,संजीत रमानी,अशोक घोष,राजा साहा,उतम राजवार सहित अन्य का हस्ताक्षर दर्ज है।इस बाबत बरहरवा सीओ राम जी वर्मा ने बताया कि आवेदन प्राप्त होती है तो समुचित कार्रवाई किए जाएंगे।

डाक विभाग में तकनीकी कारणों से दस दिनों से लेन देन बंद ग्राहक और अभिकर्ता परेशान : चंदन रमानी

संवाददाता

साहिबगंज : कॉलेज उपडाक में पिछले 10 दिनों से ग्राहकों और डाक अभिकताओं से किसी भी प्रकार की राशि जमा नहीं की जा रही है।जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ एजेंट भी परेशान हैं।ये बाते राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ के जिला अध्यक्ष चंदन रामानी ने साहिबगंज कॉलेज स्थित उप डाक पाल ने भेट कर कही. उन्होंने बताया कि कि नई सॉफ्टवेयर प्रणाली लागू की जा रही है,जिसके चलते अस्थायी रूप से यह सेवा बाधित हुई है। डाकघर में जमा योजनाओं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना पीपीएफ,आरडी, एमआईएस आदि में निवेश करने वाले ग्राहकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।कई अभिकताओं ने बताया कि उनकी रोजमर्रा की आय प्रभावित हो रही है क्योंकि वे ग्राहकों से राशि लेकर जमा नहीं कर पा रहे हैं।कहा कि ग्राहकों की मोटी राशि लेकर वे उप डाकघर पहुंचते है। ऐसे में राशि के साथ उनकी भी सुरक्षा प्रभावित होती है।अगर समय पर राशि जमा नहीं हुआ तो विलंब शुल्क भी देना होता होता है ।जिसे ग्राहक स्वीकार नहीं करते है।उधर डाकघर के अधिकारियों के अनुसार,नया सॉफ्टवेयर सिस्टम लागू किया गया है और उसपर परीक्षण व समायोजन का कार्य चल रहा है।उन्होंने भरोसा दिलाया कि सोमवार से सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगी।ग्राहकों की मांग है कि डाक विभाग तकनीकी बदलाव की जानकारी पहले दे ताकि असुविधा से बचा जा सके।मौके पर डाक अभिकर्ता संघ के जिला अध्यक्ष चंदन कुमार रमानी,जिला सचिव नंदकिशोर दास,अभिकर्ता मुकेश कुमार मिश्रा,सुनील कुमार,राकेश तिवारी,ईश्वर राम,रवि वर्मा,विजय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

मारवाड़ी भोजनालय में मिलने वाला भोजन शुद्ध शाकाहारी भोजन रहेगा

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के कृष्णानगर सुबोध होटल के समीप शुक्रवार को मारवाड़ी भोजनालय का आरएसएस के विभाग प्रमुख अजय कुमार एवं राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारम्भ किया।वही मारवाड़ी भोजनालय के संचालक चंद्रभान शर्मा ने मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।इस संबंध मे मारवाड़ी भोजनालय के संचालक चंद्रभान शर्मा ने बताया यहाँ मिलने वाला भोजन बिलकुल ही शुद्ध शाकाहारी भोजन रहेगा।उन्होंने बताया की शहरवासियों की मांग है,कि यहाँ लोगो को शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन की आवश्यकता है!श्री शर्मा ने बताया कि लोगों की सेहत का ध्यान रखते हुए इस तरह का भोजनालय खोला गया है.यहां शुद्धता के साथ-साथ साफ साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा।उन्होंने लोगो से एक बार सेवा का मौका देने कि बात कही।मौके पर राजमहल विधानसभा सभा के पूर्व विधायक अनंत ओझा,भाजपा के वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी,समाजसेवी डॉ सुरेन्द्र नाथ तिवारी,भाजपा नगर अध्यक्ष संजय पटेल,टेराकोटा कलाकार अमृत प्रकाश,अजय कुमार, प्रकाश पंडित सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पतौड़ा झील में निर्माण कार्यों में अनियमितता को लेकर वन प्रमंडल अधिकारी से की शिकायत

साहिबगंज/उधवा : उधवा पक्षी अभयारण्य पतौड़ा झील में चल रहे विभिन्न योजनाओं में घोर अनियमितता को लेकर उधवा भाग संख्या 15 की जिला परिषद सदस्य रानी हांसदा ने वन प्रमंडल पदाधिकारी को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस आवेदन की एक प्रतिलिपि प्रमंडलीय आयुक्त संथाल परगना दुमका को भी प्रेषित की है।अपने आवेदन में जिप सदस्य रानी हांसदा ने आरोप लगाया है कि उधवा पक्षी अभयारण्य झील में सड़क मरम्मत, सौंदर्यीकरण कार्य जैसे पीसीसी सड़क, पेवर ब्लॉक इत्यादि के निर्माण में सरकार के नियमों को पूरी तरह ताक पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि निधियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं हो रहा है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि कार्य स्थल पर विभाग की ओर से कोई भी सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे जनता को योजना से संबंधित जानकारी नहीं मिल पा रही है। इसके अतिरिक्त पीसीसी सड़क के निर्माण में बिना चालान के मिट्टी युक्त लोकल बालू और घटिया गिट्टी का उपयोग किया जा रहा है जो निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जिप सदस्य रानी हांसदा ने इन सभी अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बकरा चोरी मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने बकरा चोरी और जानलेवा हमला मामले में फरार चल रहे एक नामजद आरोपी शमीम शेख को बीते गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार शमीम शेख के खिलाफ थाना कांड संख्या 241/25 के तहत बकरा चोरी का मामला दर्ज था और वह तभी से फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि यह आरोपी पश्चिमी उधवा पंचायत के बाबू टोला गांव स्थित अपने घर के आसपास घूम रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज और एसआई पंकज कुमार दुबे ने अपनी टीम के साथ त्वरित कार्रवाई की और बाबू टोला गांव में छापेमारी कर आरोपी शमीम शेख को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गौरतलब है कि यह मामला बकरीद पर्व के ठीक पहले का है, जब दक्षिण सरफराजगंज पंचायत के इंग्लिश गांव से एक बकरा चोरी हो गया था। बकरे की खोजबीन के दौरान, पीड़ित परवेज आलम और जावेद आलम को पता चला कि पश्चिमी उधवा पंचायत के बाबू टोला गांव निवासी शमीम शेख ने चोरी का बकरा अपने घर में रखा हुआ है।जब परवेज आलम और जावेद आलम पाकीजा मोड़ पहुंचकर कथित आरोपी शमीम शेख से इस बारे में पूछताछ करने लगे, तो उन पर जानलेवा हमला कर दिया गया। इस हमले में परवेज आलम और जावेद आलम दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।पीड़ित परवेज आलम के बयान पर राधानगर थाना में शमीम शेख सहित तीन नामजद व्यक्तियों और 8-10 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जुलाई महीने का अनाज 25 से 30 डीलरों के यहां पड़ा हुआ है : जयप्रकाश

संवाददाता

साहिबगंज : फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन साहिबगंज का एक शिष्टमंडल अध्यक्ष जयप्रकाश सिहां के नेतृत्व में उपायुक्त साहिबगंज से मिलकर अपने विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा.अध्यक्ष जय प्रकाश सिन्हा ने बताया कि जुलाई महीने का अनाज लगभग 25 से 30 डीलरों के यहां पड़ा हुआ है,लेकिन केंद्र सरकार द्वारा समय विस्तार नहीं मिलने के कारण,पूरी तरह से वितरण प्रभावित है एवं ठप है।उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा समय विस्तार की मांग की गई है,साथ ही यह भी कहा गया है।की अगर अति शीघ्र गोदाम में एक माह का खाद्यान्न केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया,तो प्रत्येक महीना लाभुक राशन उठाव से वंचित रह जाएंगे,जिला आपूर्ति पदाधिकारी के माध्यम से राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार को लगभग 4000 क्विंटल खाद्यान्न गोदाम में शॉर्टेज होने की सारी प्रक्रिया से अवगत करा दी गई,यदि समय रहते केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट नहीं हुआ,तो गरीब खाद्यान्न उठाव से वंचित रह जाएंगे साथ ही डीलरों ने समय पर खाद्यान्न उठाव की भी बात कहीं,क्योंकि केंद्र सरकार ने समय विस्तार देना बंद कर दिया है।किसी विशेष स्थिति बाढ़ व सुखाढ़ में ही समय विस्तार दिया जा सकता है।ऐसे में खाद्यान्न की भरपाई गोदाम में होना निरंतर आवश्यक है।समय से गोदाम खुलना खाद्यान्न की क्वालिटी अच्छी होना जैसी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया।मौके सचिव अनवर अली,उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान,कोषाध्यक्ष भगवान जोशी,सह सचिव अशोक शाह कैलाश यादव,बासुकीनाथ यादव,संजय मंडल अनीता दयाल,अभिलाषा पोपली भोला जमीरउद्दीन मनोज चौधरी,यदु,मदन पासवान मोती,जुम्मन अली लोकनाथ यादव,कुर्बान,नियाज, महेश मलिक,नागेश्वर पोद्दार,जनार्दन दास,संजय पोद्दार,विजय जायसवाल पप्पू रविदास,प्रभु नाथ यादव,सविता देवी,मीना देवी समेत कई डीलर उपस्थित रहे।

17 की नाजुक उम्र में एक्ट्रेस ने की फिल्मों में एंट्री

इस बॉलीवुड एक्ट्रेस ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री ली थी. इस एक्ट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. लेकिन एक गंभीर आरोप की वजह से करियर खराब हो गया.

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे विवाद रहें हैं, जिस वजह से स्टार्स का करियर खराब हो गया हो. आज हम आपको एक ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बता रहें हैं. इस एक्ट्रेस ने बहुत कम उम्र में फिल्मों में कदम रखा था. वहीं अपनी शानदार एक्टिंग से इसने हर किसी का दिल जीत लिया था. लेकिन एक गलती की वजह से इस एक्ट्रेस का जीवन तबाह हो गया. इस एक्ट्रेस का करियर खराब हो गया.

हम आपको जिस एक्ट्रेस के बारे में बता रहें हैं उसका नाम श्वेता बसु प्रसाद है. इस एक्ट्रेस ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. वहीं एक्ट्रेस ने बहुत जल्दी कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. लेकिन इसकी खराब किस्मत ने इसके हाथ से स्टारडम छीन लिया था. इस एक्ट्रेस का करियर इस कदर बर्बाद हुआ की काम मिलना भी मुश्किल हो गया था. वहीं बाद में एक्ट्रेस ने वापस कमबैक किया तो हर कोई हैरान हो गया था.

श्वेता बसु प्रसाद के बारे में

श्वेता बसु प्रसाद का जन्म 11 जनवरी 1991 को हुआ था. श्वेता को भले ही बॉलीवुड के लोग कम जानते हों लेकिन साउथ की ये सुपरस्टार थीं. एक्ट्रेस ने महज 17 साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शरू कर दिया था. इन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है. उस दौर में लोग इनके दीवाने थे. साउथ में काजल अग्रवाल और सामंथा से भी ज्यादा फेमस थीं.

नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला

श्वेता ने साउथ फिल्म मकड़ी में बतौर एक चाइल्ड आर्टिस्ट किरदार निभाया था. इसमें उन्होंने बहुत शानदार किरदार निभाया था. इसके लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था. इसके बाद एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक बहुत शानदार फिल्में दी. एक्ट्रेस ने साउथ के इकबाल फिल्म के बाद एडल्ट किरदार निभाने लगीं. एक्ट्रेस ने बहुत जल्दी स्टारडम हासिल किया. लोग इनकी एक्टिंग को बहुत पसंद करते हैं. इनकी खूबसूरती और एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया था.

साऊथ फिल्म

श्वेता बसु ने कोठा बंगारु लोकम फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखा था. ये फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी. फिल्म की कहानी बहुत शानदार थी. इस फिल्म में एक लव स्टोरी दिखाई गई है. लेकिन इस फिल्म को लोगों ने बहुत ज्यादा पसंद किया था. वहीं एक्ट्रेस की मासूमियत और सादगी ने सबको दीवाना बना लिया था. इस फिल्म के बाद उन्होंने राइड, कास्को, कलवर किंग जैसी नॉर्मल फिल्म की. उन्हें कोई बड़ी फिल्म का ऑफर नहीं मिला था.

नहीं मिली कोई फिल्म

अच्छी फिल्में करने के बाद भी उन्हें कोई ऑफर नहीं मिलने की वजह से उन्होंने अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर दी. साल 2014 में एक्ट्रेस को 5 स्टार होटल से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. श्वेता को वेश्यावृत्ति के आरोप में गिरफ्तार किया गया था.

पुणे में संत तुकाराम फिल्म के शो रद्द

निर्देशक बोले- हमें नुकसान हुआ

आदित्य ओम की 'संत तुकाराम' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वहीं, पुणे में फिल्म का विरोध देखने को मिला। संत तुकाराम संस्थान की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद पुणे में फिल्म के शो रद्द कर दिए गए हैं। इस घटना को लेकर फिल्म के निर्देशक का बयान सामने आया।

फिल्म के निर्देशक आदित्य ओम ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा, पुणे शहर में संत तुकाराम के शो रद्द हुए हैं। संत तुकाराम संस्थान की आपत्तियों के बाद पुणे पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में सिनेमाघरों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा गया है। इसके चलते, ज्यादातर सिनेमाघरों ने फिल्म के शो रद्द करने का फैसला लिया है। आदित्य ने आगे बताया, फिल्म को सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया था। इसके बावजूद, शो रद्द होने से निर्माताओं को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि फिल्म को पूर्ण भक्ति और संत तुकाराम के मूल्यों व शिक्षाओं को फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है। संत तुकाराम 17वीं सदी के संत-कवि तुकाराम के जीवन और उनकी भक्ति से भरी अभंग रचनाओं पर आधारित है। यह फिल्म उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान को दिखाती है। फिल्म में आदित्य ओम के साथ सुबोध भावे, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, संजय मिश्रा, शिवा सूर्यवंशी, शीना चौहान, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट, गौरी शंकर, ट्विंकल कपूर, रूपाली जाधव और डीजे अकबर सामी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। कर्जन फिल्म्स और

फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज लेकर आ रही रश्मिका

➤ कहा- बस थोड़ा और इंतजार...

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना काफी समय से हिंट दे रही हैं कि उनके पास फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज है। आखिर क्या है यह सरप्राइज? इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि वह इसका खुलासा करेंगी।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती दिख रही हैं, मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार ये बात रिकॉर्ड कर रही हूं। जैसा कि आप सभी जानते ही होंगे कि मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज पर काम कर रही हूं। यह सिर्फ प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि कुछ ऐसा है, जिसमें मैंने दिन-रात एक किए हैं, खासकर फैंस के लिए, जो सालों से मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं। इस वीडियो के जरिए मैं फैंस के साथ उस खास चीज का एक छोटा हिस्सा शेयर कर रही हूं। रश्मिका ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि फैंस इस चीज को महसूस करेंगे और प्यार करेंगे। मैं इसे फैंस के साथ शेयर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह सोमवार को लॉन्च हो रहा है और मैं बहुत खुश, थोड़ी नर्वस और बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कुछ खास बात अपने तक कुछ समय से छुपाए रख रही हूं। यकीन मानिए, यह आसान नहीं है, क्योंकि मैं यह सब अपने फैंस के साथ शेयर करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बस थोड़ा और इंतजार करो। हाल ही में रश्मिका ने बताया कि वह जल्द ही अपना नया बिजनेस शुरू करने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी मम्मी के साथ हुई बातचीत का एक वीडियो साझा किया था। वीडियो में रश्मिका अपनी मां से कहती हैं, आज मैं एक बहुत ही खास काम के लिए जा रही हूं, जो आपने कहा था, ये वही बिजनेस है, जो मैं शुरू करने वाली हूं। इसके बाद रश्मिका को प्रोत्साहित करते हुए उनकी मां कहती हैं, तुम अच्छा काम करो, तुम्हें अच्छा ही मिलेगा।

खुल गया 51 साल की मलाइका अरोड़ा के यंग रहने का राज, स्किन केयर रूटीन जानकर होगी हैरानी

मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड में हिट आइटम डांस के अलावा अपनी ब्यूटी, फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने अपना स्किन केयर रूटीन फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस रूटीन से उनके यंग रहने का राज भी खुल गया है। मलाइका अरोड़ा अपने इंस्टाग्राम पेज अक्सर अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। इन तस्वीरों में 51 साल की मलाइका की फिटनेस, यंग स्किन देखकर फैंस को हैरान होती है। फैंस ने एक्ट्रेस को जमकर वर्कआउट करते तो देखा है। मगर उनके ब्यूटी सीक्रेट के बारे में नहीं जानते हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपना स्किन केयर रूटीन शेयर किया है। सिंपल-ईजी है मलाइका का स्किन केयर रूटीन

मलाइका का स्किन केयर रूटीन बड़ा सिंपल है। वह मेकअप करने से पहले इसे फॉलो करती हैं। वह सबसे पहले चेहरे पर ऑयल लगाती हैं और फिर एक फेस रोलर से स्किन की मसाज करती हैं। इसके बाद अपनी आंखों के नीचे आई मास्क लगाती हैं। इसके बाद एक मिनी फैन (पंखे) से अपना चेहरा ड्राय करती हैं। इस स्किन केयर रूटीन के बाद ही वह अपना मेकअप करती हैं। इससे प्रोसेस से ही उनकी स्किन टाइट रहती हैं, ग्लो करती है।

मलाइका की खूबसूरती के कायल हुए फैंस

मलाइका अरोड़ा के इस स्किन केयर रूटीन, मेकअप से पहले की तैयारी को फैंस ने भी पसंद किया है। कई यूजर्स ने मलाइका की सुंदरता को सराहा है। एक यूजर लिखती हैं, 'आपको मेकअप की जरूरत नहीं, आप नेचुरल ब्यूटी हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप ऐसी वीडियो शेयर करती रहें।' कई यूजर्स ने मलाइका की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में 'ब्यूटीफुल' लिखा है।

इन प्रोजेक्ट्स में नजर आईं मलाइका

सलमान खान की फिल्म 'दबंग' में 'मुन्नी बदनाम हुई' आइटम सॉन्ग के कारण मलाइका को आज भी याद किया जाता है। वह कई डांस रियलिटी शो को भी जज करती हैं। पिछले साल एक मराठी फिल्म 'एक नंबर' में स्पेशल अपीयरेंस मलाइका ने किया था।

आकांक्षा पुरी ने तोड़ी चुप्पी, बताया खेसारी लाल यादव हैं दिल के सबसे करीब

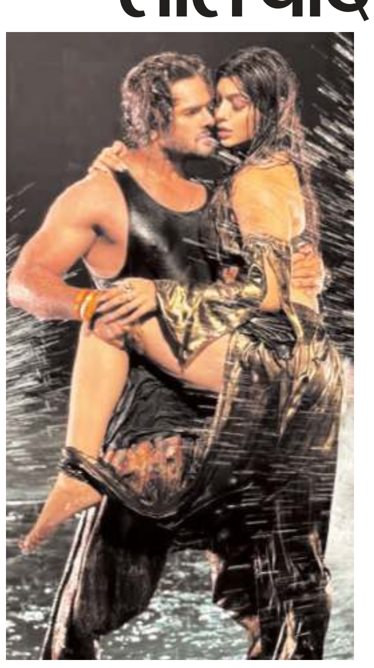

भोजपुरी के टॉप स्टार्स में शुमार खेसारी लाल यादव का लंबे समय से आकांक्षा पुरी के साथ नाम जोड़ा जा रहा है। इनकी नजदीकियां भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

ये चर्चाएं इतनी ज्यादा हैं कि आखिरकार आकांक्षा पुरी को खेसारी संग अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी तोड़नी पड़ी। अफेयर की अफवाहों और चर्चाओं के बीच आखिरकार उन्होंने अपनी बात सामने रखी। जब भी दोनों को साथ देखा जाता, तो फैंस सवाल उठाने लगते हैं कि क्या दोनों का अफेयर चल रहा है? बता दें कि खेसारी शादीशुदा हैं, उनकी पत्नी का नाम चंदा देवी है। खेसारी भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले ही चंदा के साथ शादी कर चुके थे। उनके दो बच्चे हैं, बेटी कृति यादव और बेटा ऋषभ यादव। ऐसे में दोनों का अक्सर साथ में दिखना फैंस को बेहद अजीब लग रहा है, और वे अफेयर होने का शक जता रहे हैं। इस मामले में आकांक्षा ने साफ शब्दों में कहा कि उनके और खेसारी के बीच गहरी दोस्ती है, जो उनके दिल के बहुत करीब है। आकांक्षा ने बताया कि वह खेसारी को सिर्फ एक कलाकार नहीं बल्कि एक खास इंसान मानती हैं। उन्होंने आगे कहा कि चाहे लोग कुछ भी कहें, खेसारी के लिए उनका प्यार कभी कम नहीं होगा। उनके रिश्ते में जो सम्मान है, वह हमेशा बना रहेगा। एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने कहा, खेसारी मेरे लिए बहुत स्पेशल हैं, मेरे दिल के बहुत करीब हैं और हमेशा रहेंगे। फैंस कुछ भी बोलें मुझे उससे कोई लेना देना नहीं है। एक कलाकार होने के नाते मैं दूसरे कलाकार का सम्मान करती हूं और जहां दोस्ती की बात आती है, उनके साथ रिश्ता सिर्फ काम से जुड़ा नहीं है, उससे बहुत पहले से है। उन्होंने आगे कहा, फैंस क्या बोलते हैं, उनकी मर्जी है, लेकिन खेसारी जी से मैं बहुत प्यार करती हूं, एक कलाकार के तौर पर हमेशा करूंगी। वह मेरे लिए बहुत खास हैं।

भारतीय गेंदबाजी की आलोचना के बीच मोर्ने मोर्कल ने चयन रणनीति का किया बचाव, कुलदीप यादव को लेकर दी सफाई

एजेंसी

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में भारत को गेंदबाजी में संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब टीम ने पिछले दस वर्षों में पहली बार एशिया और वेस्ट इंडीज के बाहर किसी मैच में 500 से अधिक रन लुटाए। इस प्रदर्शन के बाद भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कई तीखे सवालों का सामना किया। हालांकि उनके पास सभी सवालों के स्पष्ट जवाब नहीं थे–जैसे कि गेंदबाजों की घटती रफ्तार, शार्दुल ठाकुर का ऑलराउंडर के रूप में चयन और वॉशिंगटन सुंदर को देर से गेंदबाजी देना–लेकिन उन्होंने इतना जरूर साफ किया कि टीम चयन में बल्लेबाजी को अतिरिक्त गहराई देने को प्राथमिकता दी गई है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

कुलदीप यादव को अब तक इस दौरे पर एक भी टेस्ट में मौका नहीं मिला है, जिस पर मोर्कल से दिन के खेल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बार सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, ₹मुद्दा यह है कि टीम का संतुलन कैसे बने और बल्लेबाजी क्रम को मजबूत कैसे रखा जाए। कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन बल्लेबाजी को लेकर संतुलन बैठाना कठिन हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी को देखते हुए स्कोरबोर्ड पर 400 से अधिक रन चाहती है, इसलिए बल्लेबाजी में गहराई जरूरी है। मोर्कल ने जोड़ा, हमारे टॉप छह बल्लेबाजों से लगातार रन चाहिए ताकि हम कुलदीप जैसे स्ट्राइक बॉलर को टीम में ला सकें, जब उनसे पूछा गया कि

भारत इतना रक्षात्मक क्यों खेल रहा है और क्या स्ट्राइक गेंदबाजों को खिलाकर रन का बोझ कम नहीं किया जा सकता, तो उन्होंने जवाब दिया, ₹ये विकल्प हमारे सामने होते हैं। लेकिन अब तक की टेस्ट सीरीज में हमारे स्पिनरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। लॉर्ड्स टेस्ट हम लगभग जीत ही गए थे और एजबेस्टन टेस्ट भी शानदार था।

गेंदबाजों की रफ्तार और ऊर्जा पर चिंता

दूसरे दिन भारत की गेंदबाजी काफी साधारण रही और मोर्कल ने स्वीकार किया कि गेंदबाजी इकाई बहुत ज्यादा प्रयास करने लगी थी, जिससे लाइन-लेंथ बिगड़ी। उन्होंने कहा कि तीसरे दिन गेंदबाजों की लाइन बेहतर रही, लेकिन गेंद में वह ₹ऊर्जा₹ नहीं दिखी जो विकेट निकालने के लिए जरूरी होती है। उन्होंने कहा, ₹फ्लैट विकेटों पर आपको गेंद में थोड़ी अतिरिक्त तेजी और ऊर्जा चाहिए होती है ताकि आप कैच आउट या एलबीडब्ल्यू के मौके बना सकें। लेकिन हमारे प्रमुख गेंदबाज, जैसे सिराज, पहले से ही काफी ओवर फेंक चुके हैं।₹ अंशुल कांबोज को सीधे उड़ान से बुलाकर प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में शामिल करने पर मोर्कल ने कहा, ₹हमें ऐसा गेंदबाज चाहिए था जो लंबी स्पेल फेंक सके और ऑफ स्टंप के आसपास सटीक गेंदबाजी कर सके।

लियोनेल मेसी और जोर्डी आल्बा को एमएलएस ऑल-स्टार मैच में नहीं खेलने पर एक मैच का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली, : इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी और जोर्डी आल्बा को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक-एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला दोनों खिलाड़ियों के इस साल के एमएलएस ऑल-स्टार गेम में हिस्सा नहीं लेने के चलते लिया गया है। अब यह दोनों खिलाड़ी मियामी की अगली लीग मैच में एफसी

सिनसिनाटी के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। एमएलएस ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, ह्लीग नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो ऑल-स्टार गेम में बिना पूर्व स्वीकृति के भाग नहीं लेता, वह अपनी क्लब की अगली प्रतियोगिता में खेलने के लिए अयोग्य होता है। मएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, ह्रमुझे पता है कि लियोनेल मेसी इस लीग से कितना प्रेम करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी झ्र या कोई और झ्र मेजर लीग सॉकर के लिए मेसी से ज्यादा योगदान दिया है। मैं उनके इंटर मियामी के प्रति समर्पण को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं। लेकिन ऑल-स्टार गेम में भागीदारी को लेकर हमारी एक पुरानी नीति है और हमें उसका पालन करना पड़ा। यह निर्णय लेना बहुत कठिन था। उन्होंने आगे कहा, ह्लहालांकि, हम इस नीति की समीक्षा करने जा रहे हैं। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करूंगा ताकि यह तय किया जा सके कि इस नियम को आगे कैसे विकसित किया जाए। गौरतलब है कि मेसी और आल्बा दोनों को प्रशंसकों और मीडिया द्वारा एमएलएस ऑल-स्टार मैच के लिए चुना गया था, लेकिन दोनों ने लीगा एमएक्स ऑल-स्टार्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भाग नहीं लिया, जिसमें एमएलएस ऑल-स्टार टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की। पिछले साल भी मेसी ने चोट के कारण ऑल-स्टार गेम में हिस्सा नहीं लिया था। इंटर मियामी फिलहाल ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस तालिका में पांचवें स्थान पर है।

बंगाल में फिर बिगड़ेगा मौसम, पूरे हफ्ते बारिश का अलर्ट

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल की खाड़ी में बना नया निम्न दबाव का क्षेत्र अब धीरे-धीरे झारखंड की ओर बढ़ गया है, लेकिन इसका असर अभी भी दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बना रहेगा। मौसम विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि अगले एक हफ्ते तक बंगाल के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी और कुछ जगहों पर तेज बारिश की आशंका है। अलीपुर मौसम विभाग के मुताबिक, यह दबाव शनिवार तड़के झारखंड के ऊपर पहुंच गया है। इसकी स्थिति फिलहाल रांची से करीब 20 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और जमशेदपुर से करीब 120 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में है। अगले 36 घंटे में यह सिस्टम और आगे बढ़कर छत्तीसगढ़, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर जाएगा। शनिवार और रविवार को कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पुरुलिया, पश्चिम और पूर्व बर्दवान, बीरभूम और झाड़ग्राम में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की आशंका है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक जा सकती है। कहीं-कहीं तेज हवाएं 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी चल सकती हैं।

शनिवार को दक्षिण 24 परगना, पुरुलिया और बांकुड़ा में भारी बारिश की संभावना है। रविवार को यह असर नदिया और मुर्शिदाबाद में रहेगा। सोमवार को उत्तर 24 परगना और नदिया में तेज बारिश हो सकती है। मंगलवार को कोलकाता समेत हावड़ा, हुगली, पूर्व-पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व बर्दवान और दोनों परगनाओं में भारी बारिश के आसार हैं। उत्तर और दक्षिण 24 परगना में बहुत भारी बारिश (सात से 20 सेमी तक) की संभावना को देखते हुए ह्यऑरेंज अलर्टह्ण जारी किया गया है। शनिवार से मंगलवार तक उत्तर और मध्य बंगाल की खाड़ी और तटीय इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कुछ समय के लिए हवाएं 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार भी पकड़ सकती हैं। इसी को देखते हुए मछुआरों को इस दौरान समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। सिर्फ दक्षिण ही नहीं, उत्तर बंगाल में भी बारिश अपना असर दिखाएगी। शनिवार को जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में चेतावनी जारी की गई है। रविवार को दार्जिलिंग और कालिम्पोंग और सोमवार को दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग का साफ कहना है कि बंगाल में मॉनसून पूरी तरह से सक्रिय है और फिलहाल इससे राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। अगले कुछ दिन पूरे राज्य में कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश होती रहेगी। लोगों को सतर्क रहने और बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

देर रात को ड्रोन उड़ने की सूचना से मची खलबली

एजेंसी

रामनगर : रामनगर के चोरपानी क्षेत्र में देर रात घरों के ऊपर ड्रोन उड़ने को सूचना से स्थानीय लोगों में खलबली मच गई। इसके बाद लोग अपने घरों की छतों पर चढ़कर ड्रोन देखने लगे। हालांकि कहीं ड्रोन नजर कहीं आया। सूचना पर पुलिस देर रात क्षेत्र में पहुंची। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि घरों के ऊपर ड्रोन की मदद से चोरी करने की अफवाह चल रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। वहीं रुद्रपुर क्षेत्र के गूलरभोज में भी आसमान में ड्रोन देखने की बात सामने आई, जिसका वहां के लोगों ने वीडियो भी बनाया। गुरुवार–शुक्रवार की दरमियानी रात ड्रोन देख यहां के लोगों नींद उड़ गई। वार्ड एक के लोग दो घंटे तक सड़कों और गलियों में दौड़ते रहे। इसी बीच ड्रोन अचानक गायब हो गया, लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। देर रात 12 से एक बजे के बीच वार्ड 1 निवासी आर यादव ने आसमान में एक ड्रोन की लाइट देखी। सभासद बलराम मंडल ने बताया कि शोरगुल सुनकर वह भी बाहर आए तो पता चला कि नई बस्ती में लगे टावर की ओर से ड्रोन उड़ता हुआ बीच बाजार में आकर गायब हो गया। इसी समय पुलिया के पास आठ से दस लोग दिखे। अन्य लोगों को देख यह गायब हो गए। इसके थोड़ी देर बाद ही एक और ड्रोन दूसरी तरफ से आया और कोपा सिंगल कॉलोनी तक गया। बताया रात दो से ढाई घंटे तक लोग डर के साये में रहे। सभासद का आरोप है कि 112 नंबर पर सूचना देने के बाद भी कोई मदद नहीं पहुची। स्थानीय पुलिस का भी फोन रिसीव नहीं हुआ। इस संबंध में वाजपुर सीओ विभव सैनी ने बताया कि लगातार कई दिनों से अलग-अलग क्षेत्रों से रात में ड्रोन उड़ने की सूचना मिल रही है। इसकी अभी तक कहीं से कोई पुष्टि नही हुई है। फिर भी एहतियातन पुलिस की गश्त की व्यवस्था कराई जाएगी।

राजस्थान के स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को 10 लाख की आर्थिक मदद, संविदा पर नौकरी

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के दांगीपुरा थाना क्षेत्र स्थित पीपलोदी गांव में शुक्रवार को हुए स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों के लिए राज्य सरकार की ओर से 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है। ऐसे परिजनों को संविदा पर नौकरी भी दी जाएगी। हादसे में 7 बच्चों की मौत हो गई थी, जबकि 21 बच्चे घायल हो गए थे। जान गंवाने वाले बच्चों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस हृदयविदारक दुर्घटना के पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। मृतक विद्यार्थियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही एक परिजन को संविदा के आधार पर रोजगार देने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित नए विद्यालय भवन में बनने वाले कक्षों का नाम दिवंगत विद्यार्थियों के नाम पर रखा जाएगा। उन्?होंने बताया कि पीपलोदी गांव में एक करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्कूल बनाने का निर्णय लिया गया है। इधर, शनिवार सुबह पीपलोदी और चांदपुरा भीलान गांव के तीन श्मशान में सात बच्चों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। दोनों गांवों में मातम पसरा हुआ है। पिपलोदी गांव में बच्चों की एक साथ शवयात्रा निकली। भाई-बहन (कान्हा और मीना) का शव एक ही अर्थी पर ले जाया गया। झालावाड़ जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ भी शनिवार सुबह पिपलोदी गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों और बच्चों से बात की। शिक्षा विभाग की ओर से जारी सूची के अनुसार मृतकों की शिनाख्त कान्हा (7) पुत्र छोटूलाल, कुंदन(10) पुत्र बीरम, हरीश(11) पुत्र बाबूलाल, प्रियंका(12) पुत्री मांगीलाल,पायल (13) पुत्री लक्ष्मण, मीना(10) पुत्री छोटूलाल और कार्तिक(8) पुत्र हरकचंद के रुप में हुई। वहीं हादसे घायल बच?चों की उम्र 6 से 13 वर्ष के बीच है। पोस्टमार्टम किए जाने के बाद शनिवार सुबह करीब 05 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच सभी शवों को गांव के लिए रवाना किया गया। इन शवों के पहुंचते ही पूरे गांव में हाहाकार मच गया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव में शुक्रवार सुबह एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से 7 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 21 बच्चे घायल हो गए।

ट्रंप प्रशासन राज्यों को रोकी गई 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करेगा

एजेंसी

वाशिंगटन : संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देश में नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई शिक्षा निधि (संघीय शिक्षा अनुदान) पर बड़ा फैसला लिया है। दोनों दलों के सांसदों के दबाव में प्रशासन ने राज्यों को 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करने की घोषणा की है। इस धनराशि से नई शिक्षकों की भर्ती करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा शिक्षण कार्य में आ रही रुकावटें दूर होंगी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अधिकारियों की इस घोषणा के बाद पास्को काउंटी के स्कूल अधीक्षक जॉन लेग ने कहा कि यह फैसला अच्छा है। यह संघीय शिक्षा अनुदान सोमवार तक स्कूलों को प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रशासन ने शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा कि कोई भी स्कूल इस धनराशि का बेजा उपयोग नहीं करेगा। शिक्षा विभाग किसी भी अस्वीकार्य गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा। नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई संघीय शिक्षा निधि की वजह से फ्लोरिडा के कई स्कूलों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम और नई भर्ती रोक दी थी। ट्रंप प्रशासन के इस कदम के खिलाफ 20 से ज्यादा राज्यों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। इनमें कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और इलिनॉय जैसे डेमोक्रेट शासित राज्य शामिल थे। अमेरिका के बजट कार्यालय ने 30 जून को एक सख्त आदेश जारी कर कहा था कि इस अनुदान की समीक्षा के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह अनुदान राज्यों के सामान्य शिक्षा बजट से अलग होता है। अतिरिक्त शिक्षा केंद्र, अंग्रेजी सीखने वाले विद्यार्थियों की मदद करना, वयस्क साक्षरता, शिक्षक प्रशिक्षण और जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता उपलब्ध होती है।

कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर बलिदानियों को केंद्रीय मंत्रियों ने किया नमन

एजेंसी

द्रास : केंद्रीय मंत्रियों ने शनिवार को द्रास में सैकड़ों युवाओं, कैडेटों और स्थानीय लोगों के साथ 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 1999 के कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। भीमभट्ट के ओल्ड हॉर्स पोलो ग्राउंड में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने युवा भारत, एनसीसी और एनएसएस के युवा स्वयंसेवकों के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज के छात्रों को संबोधित किया। उनके साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और एलएएचडीसी कारगिल के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद जाफर अखून भी थे। डॉ. मंडाविया ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने की अपील की। टाइगर हिल की अपनी हालिया यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ठंडी ऊंचाइयों पर पहरा देते हुए एक युवा सैनिक प्रतिबद्धता और देशभक्ति का सच्चा प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि हम कभी संघर्ष शुरू नहीं करते लेकिन अगर उकसाया जाता है तो भारत साहस और गरिमा के साथ जवाब देना जानता है। मंत्री संजय सेठ ने भी सभा को संबोधित किया और युवाओं की ऊर्जा और सशस्त्र बलों के बलिदान की सराहना की। उन्होंने छात्रों को कारगिल वीरों की विरासत से प्रेरित होकर अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साथ जीने के लिए प्रोत्साहित किया।

लव जिहाद और धर्मांतरण के मामले में मुकदमा दर्ज

अमेठी : उप्र के अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र से लव जिहाद और धर्मांतरण का मामला प्रकाश में आया है। जिसका अमेठी पुलिस के अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मामले की गंभीरता के दृष्टिगत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। अमेठी जनपद के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के मदारीपुर मजरे हिम्मतगढ़ गांव के रहने वाले कालीचरन की पत्नी प्रभुदेवी ने 24 जुलाई को पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि सोनू उर्फ इरफान अली मोहम्मद शेख पुत्र रोशन अली शेख मोहम्मद निवासी सिद्धार्थनगर वर्तमान पता गवाते बड़ी एकता नगर पाइपलाइन एमआईडीसी रोड थाना बेलापुर नवी मुंबई महाराष्ट्र के द्वारा धर्म परिवर्तन करने के उद्देश्य से उसकी पुत्री सरिता को बहला फुसलाकर 2 जुलाई को घर से भगा ले गया। सोनू उर्फ इरफान मोहम्मद उसकी पुत्री से मोबाइल फोन पर बात करता था। पुत्री के गायब होने के बाद अपनी इज्जत और मान मयार्दा को ध्यान में रखते हुए पूरा परिवार आसपास गांव तथा रिश्तेदारों के यहां ढूंढते रहे लेकिन लड़की नहीं मिली। इसके बाद लड़की की मां को पता चला कि उसकी पुत्री को लेकर सोनू उर्फ इरफान मुंबई में रह रहा है। यही नहीं अब वह उसकी पुत्री का धर्म परिवर्तन कराने की फिराक में है। पीड़िता ने बताया कि उसका परिवार हिंदू धर्म के कुर्मी जाति से है। ऐसे में अब उसकी पुत्री लव जिहाद करते हुए पहले भाग ले गए और अब धर्म परिवर्तन कराकर मुस्लिम बना देना चाहते हैं।

वाराणसी नगर निगम को डिजिटल गृहकर वसूली में ऐतिहासिक सफलता

क्यूआर कोड और यूपीआई से रिकॉर्ड वसूली,क्यू0आर0 कोड से रु0 14.05 करोड़ रुपए ऑनलाइन जमा

बारकोड से राजस्व वसूली करने वाला पहला निकाय

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में भवन स्वामी क्यू0आर0 कोड या यू0पी0आई0 के माध्यम से नगर निगम में ₹ऑनलाइन₹ गृहकर जमा करने में रूचि दिखा रहे है। इस वर्ष अभी तक 21563 भवन स्वामियों ने क्यू0आर0 कोड या यू0पी0आई0 के माध्यम से रु0 14.05 करोड़ ₹ऑनलाइन₹ गृहकर जमा किया है, जो अब तक की ऐतिहासिक ₹ऑनलाइन₹ वसूली है। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा भी क्यू0आर0 कोड के जरिए गृहकर जमा करने के लिए भवन स्वामियों को प्रेरित कर रहे है। भवन स्वामी नगर निगम के सभी जोनल कार्यालयों पर स्थापित टैक्स कलेक्शन सेन्टर पर स्वंय जाकर या क्यू0आर0 कोड व यू0पी0आई0 के माध्यम से घर बैठे अपने भवन का गृहकर जमा कर सकते हैं।

– छूट की अवधि मात्र 5 दिन शेष

इस वर्ष गृहकर, जलकर, सीवरकर जमा करने पर दी जा रही छूट की अवधि 31 जुलाई 2025 को समाप्त हो रही है।, छूट की अवधि मात्र 5 दिन शेष है। ऐसे में भवन स्वामी इस अवधि का लाभ उठाकर अपना गृहकर समय से जमा कर सकते है। नगर निगम के अफसरों के अनुसार वाराणसी महापौर अशोक कुमार तिवारी ने गृहकर में छूट की अवधि 28 मई से 31 जुलाई तक घोषित की है। इस वर्ष अब तक कुल 79662 भवन स्वामियों ने अपने भवन का गृहकर, जलकर, सीवरकर जमा कर, दिये जा रहे छूट का लाभ उठाया है। अभी तक रु0 45.85 करोड़ की धनराशि भवन स्वामियों के द्वारा जमा की गयी है। इसी अवधि में पिछले वर्ष 75778 भवन स्वामियों द्वारा मात्र रु0 29.92 करोड़ जमा किया गया था।

–सर्वाधिक वसूली दशाश्वमेध जोन में

अफसरों के अनुसार आदमपुर जोन में 10217 भवन स्वामियों ने रु0 3.68 करोड़, भेलूपुर जोन में 19793 भवन स्वामियों ने रु0 10.34 करोड़, दशाश्वमेध जोन में 15942 भवन स्वामियों ने रु0 1253 करोड़, कोतवाली जोन में 7721 भवन स्वामियों ने रु0 6.27 करोड़, वरूणापार जोन में 12370 भवन स्वामियों ने रु0 7.69 करोड़, ऋषिमाण्डवी जोन में 2249 भवन स्वामियों ने रु0 1.11 करोड़, सारनाथ जोन में 11031 भवन स्वामियों ने रु0 4.14 करोड़ तथा रामनगर जोन में 339 भवन स्वामियों ने 9 लाख रुपए की धनराशि जमा की है। अफसरों के अनुसार टैक्स कलेक्शन सेन्टर के माध्यम से गृहकर जमा करने पर वर्तमान कर पर 10 प्रतिशत, क्यू0आर0 कोड व यू0पी0आई0 के माध्यम से जमा करने पर वर्तमान कर पर 12 प्रतिशत की छूट तथा पिछले कई वर्षो के बकाया एकमुश्त जमा करने पर वर्तमान कर पर 20 प्रतिशत की छूट 31 जुलाई तक मिलेगी।

बारकोड से राजस्व वसूली करने वाला पहला निकाय

वाराणसी निगम निगम पूरे उत्तर प्रदेश में बारकोड से राजस्व वसूली करने वाला पहला निकाय बना है। वहीं, राजस्व वसूली में प्रदेश के 17 नगर निगम में वाराणसी नगर निगम को तीसरा स्थान मिला है। नगर विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार राजस्व वसूली में 73 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।

न्यूज IN ब्रीफ

मणिपुरः ब्राउन शुगर और गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

चुराचांदपुर (मणिपुर) : पुलिस ने चुराचांदपुर जिले में दो अलग-अलग अभियानों के तहत मादक पदार्थ तस्करी के गंभीर मामलों का खुलासा किया है। पहली कार्रवाई में पुलिस ने टोंजांग गांव निवासी 53 वर्षीय हाउसुआनलाल फियामफू को बेहियांग बस पार्किंग से गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी में पुलिस को 168 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपित ने अपने साथी 33 वर्षीय लम्मिनलाल हाओकिप, निवासी थोंगखोलुई गांव का नाम उजागर किया, जिसे खेंजांग गांव के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपितों द्वारा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक होंडा एक्टिवा स्कूटर को केंद्रीय चुराचांदपुर स्थित वाहन पार्किंग से जब्त किया गया। दूसरी कार्रवाई में, सुरक्षा बलों ने जिरीबाम जिले के एफसीपी चेक पोस्ट पर एक टाटा ट्रक की तलाशी ली। इसमें 220 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। खुमजी गांव, नोनी जिला निवासी ट्रक चालक एसके काफुनलुंग (43 वर्ष) को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

महेशतला में दिल दहला देने वाली घटना, बेटे पर मां को जिंदा जलाने का आरोप

दक्षिण 24 परगना : दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला में एक वृद्ध महिला को कथित रूप से जिंदा जलाकर मार देने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान बिजली घोष (80) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना को अंजाम देने के आरोप में उनके बेटे संजय घोष (50) को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिजली देवी अपने बेटे संजय के साथ अकेले ही रहती थीं। उनके पति मृत्युंजय घोष का निधन कई साल पहले हो चुका था। संजय मानसिक रूप से अस्थिर है। पड़ोसियों का कहना है कि वह पहले भी कई बार अपनी मां पर अत्याचार कर चुका था। कुछ समय पहले उसने बिजली देवी के सिर पर गंभीर चोट भी पहुंचाई थी। कई बार पुलिस ने आकर संजय को चेतावनी दी थी, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया। शुक्रवार को पूरे दिन बारिश होती रही। शाम होते-होते इलाका लगभग सुनसान हो गया था। रात में बिजली देवी के घर से धुआं निकलते देखकर स्थानीय लोग सतर्क हुए। कुछ लोगों ने बताया कि सुबह से ही एक अजीब की गंध आ रही थी। जब लोग घर के पास पहुंचे, तो देखा कि घर के दरवाजे और खिड़कियां पूरी तरह बंद हैं और अंदर से धुआं निकल रहा है। स्थानीय निवासियों ने तुरंत महेशतला थाने और बाजबज फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। वहां बिजली देवी का जला हुआ शव बिस्तर पर पड़ा मिला, जबकि संजय पास के कमरे में लेटा हुआ मिला। पुलिस ने तुरंत वृद्धा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक जांच में संदेह जताया जा रहा है कि संजय ने ही अपनी मां को जिंदा जलाकर हत्या की है।

पांच साल बाद पर्यटकों के लिए खुलेगा विश्वभारती विवि परिसर, तीन अगस्त से हेरिटेज वॉक की शुरूआत

बीरभूम : शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक परिसर पांच वर्षों के अंतराल के बाद एक बार फिर आम लोगों और पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। आगामी 3 अगस्त 2025, रविवार से विश्वविद्यालय परिसर में ह्यहेरिटेज वॉकह्ण की शुरूआत होगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कार्यवाहक जनसंपर्क अधिकारी अतिग घोष ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रवीर कुमार घोष ने पहले ही स्पष्ट किया था कि विश्वविद्यालय परिसर को पर्यटकों के लिए फिर से खोलना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। हेरिटेज वॉक की तैयारी इस वर्ष मार्च महीने से शुरू हो गई थी और बीते बुधवार को इसका परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इसके बाद प्रशासन ने परिसर को सभी के लिए खोलने का फैसला लिया। विज्ञप्ति में बताया गया कि हेरिटेज वॉक हर रविवार को आयोजित की जाएगी और पर्यटकों को शांतिनिकेतन के मुख्य विरासत स्थलों का भ्रमण प्रशिक्षित गाइड के साथ कराया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार टिकट दरें तय की गई हैं। रवींद्र भवन देखने के लिए अलग से शुल्क लिया जाएगा। टिकट रवींद्र भवन संग्रहालय के काउंटर से प्राप्त किए जा सकेंगे। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा नवंबर से दिसंबर के बीच शुरू की जाएगी।

मध्य प्रदेश में मानसून सक्रिय, बरगी, बारना और तवा डैम के गेट खुले, आज 41 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। जुलाई के आखिरी हफ्ते में बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हुआ है। इस वजह से कहीं तेज बारिश तो कहीं हल?की बूंदाबादी का सिलसिला जारी है। भोपाल में रात से ही तेज बारिश हो रही है। शुक्रवार को उत्तरी हिस्से में जमकर बारिश हुई। नर्मदापुरम में तवा डैम के 7 गेट 10-10 फीट तक खोले गए हैं। बरगी और बारना डैम के भी गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने आज शनिवार को भी 41 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि तीन ट्रफ, दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और एक डिप्रेशन की वजह से प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। जिससे कहीं अति भारी तो कहीं भारी बारिश का दौर है। यह दौर अगले चार दिन तक बना रहेगा। शनिवार को 41 जिलों में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 5 में रेड, 21 में ऑरेंज और 14 में यलो अलर्ट है। रायसेन, सागर, दमोह, पन्ना, सतना और रीवा में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट वाले जिले गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, राजगढ़, शाजापुर, इंदौर, उज्जैन, देवास, खंडवा और हरदा में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को भी प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में बारिश का दौर रहा। सीधी में 9 घंटे में गिरा 4.8 इंच पानी गिर गया। वहीं, सिंगरौली में 7 इंच बारिश दर्ज की गई। इसी तरह पचमढ़ी में डेढ़ इंच, उमरिया, मलाजखंड, छिंदवाड़ा और गुना पौन इंच, सागर, ग्वालियर और नर्मदापुरम में आधा इंच बारिश हुई। भोपाल, बैतूल, दतिया, रायसेन, शिवपुरी, उज्जैन, दमोह, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, सिवनी, डिंडौरी, सिंगरौली, सतना, अनूपपुर, मऊगंज, मुरैना, अशोकनगर, सीहोर, देवास, राजगढ़, शाजापुर समेत कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। बारिश के चलते जबलपुर में बरगी डैम के 7 गेट खोले गए। बैतूल के सारणी में सतपुड़ा डैम के भी 7 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। मुरैना जिले में पगारा डैम का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर 655.88 फीट तक पहुंच गया। इसके सभी 6 ऑटोमैटिक गेट खुल गए। वहीं, नर्मदापुरम में तवा डैम के 7 गेट 10 फीट तक खोल दिए गए हैं। 108458 क्यूसेक पानी डैम से निकाला जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 22.5 इंच बारिश हो चुकी है।

न्यूज IN ब्रीफ

छात्रों ने की मारपीट कई घायल

साहिबगंजः शहर के स्टेडियम रोड स्थित नवोदय विद्यालय में कुछ छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और जमकर मारपीट हुई इसमें कुछ छात्र घायल भी हो गए। शिक्षकों के हस्तक्षेप के बाद मामला को शांत किया गया और इसकी जानकारी जिरवाबाडी पुलिस को दी गई पुलिस को सूचना मिलते ही विद्यालय पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए छात्रों को समझाया। इधर घायल छात्र इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया।

हाइवा की चपेट में आने से हुआ घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के गोडाबाडी हटिया रोड स्थित दुर्गा स्थान के समीप पैदल जा रहे रविंद्र कुमार का 10 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार हाइवा की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय व स्वजनों की मदद से इलाज के लिए सूर्या सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि पीयूष अपने पिता के साथ चावल लेने के लिए दुकान जा रहा था इसी दौरान एक हाइवा हटिया की ओर आ रहा था तभी पीयूष के पैर में ट्रक का पहिया चढ़ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।इधर डाक्टर ने उपचार कर रेफर कर दिया।

हिचकी नहीं रूकने से परेशान व्यक्ति ने चाकू से गला काटकर किया आत्महत्या का प्रयास

गुमला : गुमला इंसान भी कभी-कभी अजीबोगरीब हरकत कर बैठा है इसी तरीके की एक घटना सदर थाना स्थित टेंसेरा गांव निवासी 66 वर्षीय वृद्ध इंद्र साहू ने दो-तीन दिनों से लगातार आ रहे हिचकी नहीं रुकने के कारण शुक्रवार के दोपहर में लगभग 12:00 बजे चाकू से अपना गला काट लिया, उस वक्त उसके घर में कोई भी सदस्य उपस्थित नहीं थे, पत्नी घास काटने गई हुई थी, तथा अन्य परिजन अपने खेती-बाड़ी के कार्यों में व्यस्त थे और अपने घर से बाहर थे, लगभग एक बजें जब परिजन घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि इंद्र साहू खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था, बाद में आनन फानन में इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद इंद्र साहू की स्थिति गंभीर होते देखा डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया, परन्तु समय पर एंबुलेंस गाड़ी प्राप्त नहीं होने के कारण काफी विलंब हुई, और गंभीर रोगी की स्थिति और गंभीर होने का आरोप इंद्र साहू के पुत्र कृष्णा साहू ने लगाते हुए कहाकि ऐसे में किसी भी व्यक्ति की जान जा सकती है, मेरे पिता को दो-तीन दिनों से लगातार हिचकी आ रहा था, जिससे तंग आकर उन्होंने चाकू से अपना गला काट लिया हैं।

बाबा मंदिर में अहले सुबह से जलार्पण कर रहे हैं श्रद्धालु

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के 16 वें दिन रिमझिम बारिश के बीच आज बाबा मंदिर प्रांगण व आसपास के क्षेत्रों के अलावा रुटलाइन में श्रद्धालुओं से पटा दिखाई दे रहा हैं। आज सुबह 04:02 मिनट से जलार्पण शुरू होते हीं पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से गुंजयमान हो गया। वही बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण के लिए देवतुल्य श्रद्धालु रात्रि पहर से हीं कतारबद्ध होने लगे थे। साथ ही बीएड कॉलेज से तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए सभी देवतुल्य श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित जलार्पण कराया जा रहा है।

डीसी ने सीएचसी का किया निरीक्षण

दुमका : जिले केउपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जरमुंडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।
उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि श्रावणी मेला के मद्देनजर स्वास्थ्य केंद्र में सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह तैयार रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए एवं स्टॉक का सतत अनुश्रवण किया जाए।दवा उपलब्ध नहीं रहने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने उपस्थित कर्मियों की उपस्थिति पंजी की भी जांच की तथा कार्य में लगे कर्मियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की।
इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह, जरमुंडी थाना प्रभारी श्यामानंद मंडल सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

जनता की पीड़ा से जुड़ते डीआईजी नौशाद आलम

हर रोज सुनते हैं फरियादियों की बात, मौके पर ही निपटारा की पहल से जनता में बढ़ा भरोसा

मेदिनीनगर : पलामू क्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि पुलिस सिर्फ कानून का पालन कराने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता के सुख-दुख की सहभागी भी है। वे स्वयं प्रतिदिन अपने कार्यालय में आम फरियादियों की बात सुनते हैं और उनके कष्टों को प्राथमिकता पर रखने का प्रयास करते हैं।
डीआईजी आलम की कार्यशैली की सबसे खास बात यह है कि वे समस्याओं के समाधान के लिए तत्क्षण संबंधित थाना प्रभारी को आवेदन अग्रसारित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराते हैं। कई बार वे स्वयं भी समझा कर दोनों पक्षों में सहमति बनवाते हैं और विवाद को सुलझाने में सफल रहते हैं। इससे पीड़ितों को न केवल त्वरित राहत मिलती है, बल्कि पुलिस के प्रति विश्वास भी गहराता है।
डीआईजी आलम के इस व्यवहारिक और संवेदनशील रुख का असर दूरदराज के ग्रामीण इलाकों तक दिखने लगा है। लोग अब निडर होकर अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रख रहे हैं। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया है कि जब वदीधारी संवेदनशील हो, तो व्यवस्था में विश्वास बढ़ता है और समाज में सामंजस्य मजबूत होता है।
पुलिस को आमजन से जोड़ने की दिशा में डीआईजी नौशाद आलम का यह प्रयास एक मिसाल बनता जा रहा है।

सर हमें आप पर गर्व है

बिनय मिश्रा

रामगढ़ के उपायुक्त फैज अक अहमद ने मानवता संवेदना और परोपकारिता का अद्भुत मिसाल पेश किया ।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी उपायुक्त फैज अक अहमद के इस बेहतर और उत्कृष्ट प्रयास को सराहा और बेहतर बताया
जिला के सर्वोच्च अधिकारी विकास कार्यों को बेहतर गति देने के साथ-साथ विधि व्यवस्था और विद्यार्थियों के जीवन को आदर्श तथा बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक स्थल का निरीक्षण कर वहां की जानकारी लेने पहुंचे तब उसी समय विद्यालय में अनायास एक घटित घटना यूं है कि विद्यालय के छात्र अभय कुमार को किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी जैसे ही इसकी सूचना उपायुक्त को मिली उन्होंने बिना देर किए छात्र को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। उपायुक्त का यह सराहनीय कार्य निश्चित तौर पर पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है रामगढ़ के उपायुक्त
फैज अक अहमद विद्यालय में पठन-पाठन और व्यवस्था को देखने रामगढ़ 10 प्लस टू विद्यालय पहुंचे थे तथा विद्यार्थियों के साथ बैठकर विद्यालय के पठन-पाठन को देख ही रहे थे कि अचानक इस विद्यालय के एक छात्र अभय कुमार को एक जहरीले कीड़े ने काट लिया जिसके फल स्वरुप उसकी स्थिति काफी गंभीर हो गई इस बात की जानकारी मिलते हैं उपायुक्त स्वयं उक्त विद्यार्थी के पास पहुंचे और जिस स्थल पर कीड़े ने काटा था वहां अपने लैपटॉप चार्जर के तार से उक्त स्थल को बांध दिया जिससे कि रक्त का संचार प्रवाहित ना हो इसके बाद उक्त छात्र को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल स्वयं अपने वाहन में बैठाकर पहुंचे और तब तक खुद भी उपस्थित रहे जब तक उक्त छात्र अभय ने अपनी आंखें नहीं खोली स्वास्थ्य लाभ होते देख उपायुक्त ने तत्पश्चात उस स्थल से प्रस्थान किया।
इस मानवता भरे कार्य को पूरे जिला वासियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों ने काफी सराहा है।वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जब इस प्रकरण की जानकारी हुई तो उन्होंने भी उपायुक्त फैज अक अहमद के इस मानवता, संवेदना और बेहतर प्रयास की काफी सराहना और कहा कि -
ऐसे उपायुक्त निश्चित तौर पर जिला के साथ-साथ झारखंड के लिए गौरव और प्रेरणा स्रोत हैं और हमें ऐसे उपायुक्त पर नाज है।
उपायुक्त के इस नेकी भरे कार्य के लिए यह गीत बिल्कुल सटीक हैं
किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार
किसी का दर्द हो सके तो ले उधार
किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार
जीना इसी का नाम है

4.50 ग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार, भेजा गया गुमला जेल

संवाददाता

गुमला : गुमला सदर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने अपने कार्यालय कक्ष एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित बताया की कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध मादक पदार्थ की बिक्री सामाजिक तत्वों के द्वारा किया जा रहा है, इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (पुलिस कप्तान हरीश बिन जमान)महोदय के निदेर्शानुसार सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सुरेश प्रसाद यादव) मेरे नेतृत्व में के एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया, जिसमें अंचल पुलिस निरीक्षक सिसई सुरेंद्र कुमार सिंह, क्रमशः पुअनि भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, अभिनंदन कुमार भरनो थाना, मंटू चौधरीभरनो थाना एंव भरनो थाना के सशस्त्र बल के जवान के छापामारी दल को एक गुप्त सूचना मिली की कुसुम्बाहा खरवागढा नहर पुल के पास एक व्यक्ति अवैध गाँजा का बिक्री कर रहा है, उक्त सूचना मिलते ही, विशेष छापामारी दल ने त्वरित कारवाई करते हुए उक्त स्थान पर पहूंचकर उक्त गाँजा विक्रेता को दबोच लिया और उसके पास से अवैध मादक पदार्थ गाँजा करीब 4.50 ग्राम, इलेक्ट्रॉनिक तराजू मशीन एक, पैकिंग के लिए प्लास्टिक की छोटी पानी 20 पीस और अवैध मादक पदार्थ गाँजा बिक्री के 1.040 रुपए बरामद किए गए और भरनो थाना कांड संख्या 48/ 2025 दिनांक 24 - 07- 2025, धारा 20 बी ('') / 22 एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए , न्यायालय में प्रस्तुत कर, न्यायिक हिरासत में लेते हुए गुमला जेल भेज दिया गया।

गुमला में विशेष वाहन परमिट शिविर का आयोजन

गुमला : गुमला जिला में आज शुक्रवार को उप परिवहन आयुक्त-सह-सचिव, दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं उनकी उपस्थिति में गुमला जिले में विशेष वाहन परमिट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण रांची के सचिव हरिवंश पंडित द्वारा कुल 6 तीनपहिया वाहन चालकों को हाथों-हाथ परमिट निर्गत किया गया। मौके पर सचिव हरिवंश पंडित, जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप, मोटर यान निरीक्षक रोबिन अजय सिंह एवं प्रदीप तिर्की उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा सभी व्यावसायिक वाहन स्वामियों से अपील की गई कि वे जल्द से जल्द अपने वाहन का वैध परमिट प्राप्त कर ही वाहन का परिचालन सुनिश्चित करें। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रांची जिले से परमिट बनवाने में होने वाली कठिनाइयों से व्यवसायिक वाहन चालकों को राहत देना तथा गृह जिला गुमला से ही परमिट प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

रांची के नगर आयुक्त सुशांत गौरव के पदस्थापना के पश्चात से दिखने लगे विकास कार्य

निधि पाठक

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2014 बैच के लोकप्रिय कर्मठ एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले रांची के नगर आयुक्त सुशांत गौरव के पदभार ग्रहण करने के पश्चात समस्याओं की जानकारी लेने के साथ-साथ उसके समाधान का सकारात्मक कार्रवाई का ही यह परिणाम है कि नगर निगम के समस्याओं का निष्पादन तेजी से हो रहा है । निरंतर समीक्षात्मक बैठक एवं समस्याओं की जानकारी लेने और मिलने के साथ ही उसके लिए निरंतर प्रयास भी जारी है। नगर आयुक्त श्री गौरव का स्पष्ट मानना है कि समस्याओं को जानने के साथ साथ उनका समाधान सुचारू रूप से किया जाना ही उनका दायित्व है इनके प्रशासनिक दक्षता को देखते हुए आर आर डी के उपाध्यक्ष का दायित्व भी इन्हें सौंपा गया है।
विदित हो कि सुशांत गौरव इससे पूर्व सिमडेगा और गुमला के लोकप्रिय उपायुक्त रह चुके हैं तथा उपायुक्त के रूप में किए गए कार्यों के फलस्वरूप इन्हें आज भी इन जिलों में लोकप्रिय उपायुक्त की संज्ञा मिली हुई है। ऐसे आईएएस अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित होते हैं।

श्रमिकों से किया जा रहा सीधा संवाद व ऑन स्पॉट निबंधन

संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार दिनांक 11 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक गुमला जिले में विशेष श्रम निबंधन एवं जागरूकता अभियान संचालित किया गए। अभियान का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, प्रवासी श्रमिकों एवं अन्य श्रेणी के श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना एवं उनका निबंधन सुनिश्चित कराना है।
अभियान के क्रम में श्रम विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं कार्यस्थलों पर प्रतिदिन भ्रमण कर श्रमिकों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। उन्हें उनके अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, और निबंधन की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही मौके पर ही ऑन स्पॉट निबंधन भी किया जा रहा है।

आज के अभियान के अंतर्गत 80 श्रमिकों को जागरूक किया गया तथा 12 श्रमिकों का ऑन स्पॉट निबंधन किया गया, जिसमें 2 असंगठित क्षेत्र के श्रमिक एवं 10 प्रवासी श्रमिक शामिल हैं।
जिला प्रशासन का यह सतत प्रयास है कि जिले का हर श्रमिक अपने अधिकारों से जागरूक हो तथा श्रमिक निबंधन के माध्यम से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके।

शिवलोक परिसर में निःशुल्क परामर्श शिविर का शुभारंभ

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला 2025 के अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (नई दिल्ली) द्वारा शिवलोक परिसर में निःशुल्क परामर्श शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ममता व अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान सदस्य श्रीमती ममता ने सभी को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय महिला आयोग ने श्रावणी मेले में महिलाओं के लिए एक निःशुल्क परामर्श स्टॉल लगाया है। इस स्टॉल का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और सशक्त बनाना है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि एक महिने तक चलने वाले इस मेले में लाखों महिलाएं बाबा नगरी देवघर आते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस षिविर के माध्यम से महिलाओं को उनके कानूनी और उनके सामाजिक अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके और उनका उपयोग कर सके। इस शिविर के माध्यम से कानूनी सलाह, परामर्श और सहायता प्रदान की जायेगी।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग का लक्ष्य है कि इस परामर्श स्टॉल के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाए और उन्हें सशक्त बनाया जाए। आगे उन्होंने जानकरी दी कि राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन 1992 में हुआ था, जिसके बाद लगातार महिलाओं के हित में आयोग के द्वारा कार्य किया जा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग (ठउह) का मुख्य काम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सशक्त बनाना है। यह आयोग महिलाओं के खिलाफ होने वाले अन्याय और भेदभाव की शिकायतों पर गौर करता है, उनके लिए कानूनी सहायता प्रदान करता है। ऐसे में श्रावणी मेला के अवसर पर निःशुल्क परामर्श शिविर के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने की एक बेहतरीन पहल है।
मौके पर जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

नई दिल्ली से मुक्त कराई गई बालिकाओं को कराया गया सीडब्ल्यूसी में उपस्थापित

संवाददाता

दुमका : जिले केउपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा के निदेशानुसार बाल तस्करी की शिकार बालिकाओं को एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र झारखंड भवन (सीआरसी) नई दिल्ली की सहायता से मुक्त कराये गये विभिन्न बाल गृहों से प्राप्त कर सीडब्ल्यूसी दुमका के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विदित हो कि स्वयं सेवी संस्थान जन साहस दुमका के द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई को सूचित किया गया था कि जिले के मानव तस्कर द्वारा बालिका का बाल तस्करी कर दिल्ली के प्लेसमेंट एजेंसी में बेच दिया गया है और बालिकाओं के साथ मारपीट व प्रताड़ित किया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा उक्त मामले की सूचना उपायुक्त को दी गयी। उपायुक्त श्री सिन्हा ने मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए बाल तस्करी की शिकार बालिकाओं को सीआरसी नई दिल्ली की सहायता से मुक्त कराने का एडीएसएस एवं

डीसीपीओ को निर्देश दिया। सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सुचिता किरण भगत द्वारा अविलंब जिला बाल संरक्षण इकाई की टीम गठित कर बाल तस्करी की शिकार बालिकाओं को एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र झारखंड भवन (सीआरसी) नई दिल्ली से प्राप्त कर बालिकाओं को सीडब्ल्यूसी में उपस्थापित करने का निदेश दिया था। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र ने कहा कि गठित टीम द्वारा सीआरसी नई दिल्ली की सहायता से दिल्ली के विभिन्न बाल गृहों से मुक्त कराये गये कुल पांच बच्चे को यथा दो दुमका, दो साहेबगंज एवं एक पाकुड़ जिला के बच्चे को प्राप्त कर सीडब्ल्यूसी दुमका में उपस्थापन करा दिया गया है। बाल कल्याण समिति ने प्रस्तुत सभी बालिकाओं को बाल तस्करी में सीएनसीपी घोषित करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर अगले आदेश तक के लिए बाल गृह में आवासित कर दिया है। डीसीपीओ ने बताया कि बाल तस्करी करने वाले मानव तस्कर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है तथा एक मानव तस्कर को पुलिस द्वारा जेल भेज दिया गया है। गठित टीम में जिला बाल संरक्षण इकाई के दीपा साहू, प्रमिला टुडू, नैय्यर सुल्तान एवं जन साहस से रविन्द्र यादव व प्रेम मोहली ने अहम भूमिका निभाई।